सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 178 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 12 अप्रैल 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

धमतरी-गरियाबंद, कांकेर के लिए ऑरेंज अलर्ट, तीसरे सप्ताह से बढ़ेगी गर्मी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के 3 जिलों में तेज आंधी और गरज चमक के साथ बौछारें पड़ सकती है। मौसम विभाग ने धमतरी, गरियाबंद और कांकेर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं 6 जिलों सरगुजा, बलरामपुर, बिलासपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, मुंगेली, कोरबा जिले के एक दो स्थानों पर बारिश की संभावना।

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) और ट्रफ एक्टिव है। इस वजह से आंधी-बारिश की स्थिति बन रही है। अगले 5 दिन प्रदेश के अलग-अलग जिलों में ऐसी स्थिति रहेगी। प्रदेश में अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। लेकिन अगले दो दिनों बाद गर्मी से थोड़ी राहत मिलने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में कई जगहों में हल्की से मध्यम बारिश हुई है। प्रदेश के सभी संभागों में अधिकतम तापमान सामान्य रहा। प्रदेश में सबसे ज्यादा तापमान 42.0 ग्रि राजनांदगांव में और सबसे कम तापमान 18 डिग्री अंबिकापुर में दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक अप्रैल का तीसरा और चौथा सप्ताह तेज गर्मी वाला होगा। इस दौरान हीट वेव की स्थिति बनने की संभावना रहेगी। दिन का तापमान सामान्य से 4-5 डिग्री तक ऊपर जा सकता है। तापमान 43-44 डिग्री और उसके आसपास पहुंच सकता है।

पति ने गला दबाकर की महिला नगर सैनिक की हत्या

गरियाबंद। जिले में महिला नगर सैनिक की हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई है। कस्तूरबा हॉस्टल गरियाबंद में पदस्थ 32 वर्षीय महिला नगर सैनिक ओमिका ध्रुव की उनके ही पति सोहन साहू ने गला दबाकर हत्या की है। वारदात के बाद आरोपी पति पाण्डुका थाना पहुंचकर खुद मामले की सूचना पुलिस को दी। बताया जा रहा कि चरित्र शंका पर पति ने वारदात को अंजाम दिया है।

घटना की सूचना के बाद थाना प्रभारी जयप्रकाश नेताम फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटा रहे हैं। गले में नाखून के निशान है। थाना प्रभारी जयप्रकाश नेताम ने बताया कि आरोपी पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। आरोपी पति और मृतका दोनों मुरमुरा गांव के हैं। 10 साल पहले दोनों ने प्रेम विवाह किया था। दोनों के दो बच्चे भी हैं। पिछले एक सप्ताह से ओमिका अपने मां के घर रह रही थी। हास्टल ड्यूटी के बाद छुट्टी पर घर आई थी। आज ड्यूटी ज्वाइन करने पति के साथ बाइक से वापस जा रही थी। दोनों गांव से 10 किमी आगे पहुंचे थे, इसी बीच दोनों का विवाद हुआ। इस दौरान पति ने पत्नी का गला दबाकर हत्या कर दी। बताया जा रहा कि चरित्र शंका को लेकर आए दिन दोनों में विवाद होते रहता था।

तेलघानी नाका क्षेत्र में मिली लाश

रायपुर। राजधानी के गंज थाना क्षेत्र में अज्ञात व्यक्ति की लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस के अनुसार, तेलघानी नाका में शुक्रवार सुबह एक पेड़ से लटकी हुई लाश पाई गई। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। अज्ञात व्यक्ति की हत्या की गई या यह मामला आत्महत्या का है, फिलाहल पुलिस जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, घटना के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। इस दौरान पुलिस ने शव को पेड़ से उतारकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

ट्विनसिटी में हनुमान जन्मोत्सव की धूम, उमड़ा आस्था का जनसैलाब, मंदिरों में गूंजे जय हनुमान के जयघोष

भगवामयी हुआ शहर, महाप्रसाद ग्रहण करने भक्तों में मची रही होड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। हनुमान जन्मोत्सव पर शनिवार को इस्पात नगरी में भगवा रंग से सराबोर रहा। चारों ओर जय हनुमान ज्ञान गुन सागर का स्वर गूंजता रहा। अलसुबह मंदिरों में हनुमान जी का अभिषेक पूजन के बाद भोग भंडारा का दौर चल पड़ा। सेक्टर 9 हॉस्पिटल परिसर स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर में दर्शन और पूजा अर्चना के लिए सुबह से उमड़ा आस्था का जनसैलाब देखते बना। दोपहर बाद आयोजित भोग भंडारा में महाप्रसाद ग्रहण करने हनुमान भक्तों में होड़ मची रही। इसी प्रकार सी मार्केट सेक्टर-6 में दक्षिणेश्वर हनुमान मंदिर में भी सुबह से ही भक्तों की भीड़ रही।

भिलाई शहर के विभिन्न हनुमान मंदिरों में शनिवार को हनुमान जन्मोत्सव पर विशेष अनुष्ठान के साथ पूजा अर्चना की गई। शहर के थानों में भी हनुमान जन्मोत्सव समारोह देखने को मिला। छावनी थाना, भिलाई भट्टी, सेक्टर 6 कोतवाली थाना, सुपेला थाना, जामुल थाना, पुरानी भिलाई थाना में स्थित हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना कर भोग भंडारा कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर भारी संख्या में पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी कार्यक्रम में शिरकत की और वह भंडारा ग्रहण किया। हनुमान जी के जन्मोत्सव मनाने सनातन धर्मियों में आज जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। शहर के हर छोटे से लेकर बड़े हनुमान मंदिर में विशेष पूजा अर्चना के साथ विविध धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराया गया। भिलाई शहर में प्रसिद्ध सेक्टर 9 हॉस्पिटल परिसर स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर में सबसे अधिक भीड़ रही। हनुमान भक्तों ने घंटों कतार में खड़े होकर दर्शन पूजन किया। यहां पर प्रात: 4 बजे हनुमान जी का अभिषेक किया गया। इसके साथ ही वेदी पूजा, हनुमान जी का अभिषेक, हवन और आरती हुई। जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने सहभागिता प्रदान किया। कुछ हनुमान भक्त ऐसे भी नजर आए जो भीड़ से बचने आधी रात को ही नहा धोकर मंदिर पहुंच गए थे। पंडित हनु महाराज के नेतृत्व में यहां विविध अनुष्ठान के साथ हनुमान जन्मोत्सव मनाया गया।

हनुमान जी के मंदिरों में सुबह चलती रही है पूजा अर्चना

दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर सी मार्केट सेक्टर-6, दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर महाराणा प्रताप भवन परिसर सेक्टर-7 सहित टाउनशिप के विभिन्न सेक्टर में स्थित हनुमान मंदिरों में भी सुबह से पूजा अर्चना चलती रही। इसी तरह की स्थिति सुपेला, नेहरू नगर, राधिका नगर, वैशाली नगर, रामनगर, केम्प क्षेत्र, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, खुर्सीपार, जामुल, रिसाली, मरोदा सहित अन्य इलाकों के हनुमान मंदिर में बनी रही। इसी तरह दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर तालाब के किनारे वार्ड 27 शास्त्री नगर कैंप 1 भिलाई में भी धूमधाम से श्री अखंड रामधुनी एवं हनुमान जयंती समारोह का आयोजन किया गया। लगभग 4 से 5000 लोगों ने महा भंडारा में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया। अनेक मंदिर में एक दिन पहले से ही रामचरित मानस का अखण्ड पाठ प्रारंभ हो गया था। इस दौरान हनुमान भक्तों को उत्साह देखने लायक रहा। भिलाई -दुर्ग के प्रमुख चौक चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर हनुमान जी की पूजा अर्चना व हवन कर भोग भंडारा और शरबत वितरण आयोजित किया गया।

जय हनुमान सेवा वाहिनी ने पंडाल लगाकर बांटा प्रसाद

पिछले कुछ वर्षों की तरह इस बार भी हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर जय हनुमान सेवा वाहिनी ने सेक्टर 9 स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर के प्रवेश द्वार के बगल में पंडाल लगाकर प्रसाद वितरण किया। समिति के संरक्षक और भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने सुबह साढ़े 4 बजे ही मंदिर पहुंच गए थे। विधायक देवेंद्र यादव ने स्वयं पंडाल पर सेवा देते हुए मंदिर से दर्शन और पूजन पश्चात लौट रहे हनुमान भक्तों को अपने हाथों से प्रसाद वितरण किया। इस पंडाल में हनुमान भक्तों को छोले चावल, देशी चना मसाला, खिचड़ी, मूंगदाल का हलवा, खीर पूड़ी, जलेबी, आमपना, छांछ और शरबत प्रसाद के रूप में वितरण किया गया।

छत्तीसगढ़ जेलों में भीड़ पर हाईकोर्ट सख्त बेमेतरा में मई तक शुरू होगा ओपन जेल

बेमेतरा। प्रदेश की जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों की भीड़ व उनके रहने की अमानवीय परिस्थितियों को लेकर बिलासपुर हाईकोर्ट में पेश जनहित याचिका की सुनवाई हुई। इस दौरान राज्य शासन ने हाईकोर्ट को बताया कि मई अंत तक बेमेतरा में ओपन जेल का निर्माण पूर्ण हो जाएगा। जून से इसे शुरू करने की कोशिश की जा रही है।

शासन की ओर से कहा गया कि बेमेतरा में 500 कैदियों की क्षमता वाले ओपन जेल निर्माण कार्य लगभग पूरा कर लिया गया है। शासन के जवाब के बाद हाईकोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई जून 2025 में रखी है। इसके साथ ही शासन ने जवाब पेश करते हुए कहा है कि रायपुर और बिलासपुर में विशेष जेल बनाई जा रही है। रायपुर में चार हजार और बिलासपुर में 1500 बंदियों की क्षमता वाले जेल का निर्माण किया जा रहा है। ओपन जेल और जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों के मामले में शुक्रवार को सुनवाई हुई। राज्य शासन की ओर से कहा गया कि बेमेतरा में ओपन जेल का काम अंतिम चरण पर है।

बड़ा कदम : गोंदिया-बल्लारशाह के बीच रेलवे ने दी दोहरीकरण की मंजूरी

- 240 किमी डबल लाइन परियोजना शुरू, छत्तीसगढ़ व महाराष्ट्र को फायदा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्र सरकार ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के गोंदिया-बल्लारशाह सेक्शन में रेल लाइन के दोहरीकरण को मंजूरी दे दी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस 240 किलोमीटर लंबी डबल लाइन परियोजना की जानकारी दी। लगभग 4,819 करोड़ रुपये की लागत से पूरी होने वाली इस परियोजना से छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र का तेलंगाना व आंध्र प्रदेश के साथ रेल संपर्क बेहतर होगा।

रेल मंत्री ने बताया कि यह परियोजना क्षेत्रीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, माल और यात्री परिवहन में गति व सुविधा बढ़ाएगी। उन्होंने इसे देश के रेल नेटवर्क को मजबूत करने वाली योजना बताया। इस सेक्शन के दोहरीकरण से ट्रेनों की रफ्तार बढ़ेगी, समय की बचत होगी, और भीड़भाड़ कम होगी। यह परियोजना भविष्य में क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में भी सहायक होगी।

माल ढुलाई को भी मिलेगा बढ़ावा

गोंदिया-बल्लारशाह रेल लाइन का दोहरीकरण से इस मार्ग में माल परिवहन को भी बढ़ावा मिलेगा। महत्वपूर्ण पावर प्लांट्स को कोयले की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित होगी, जिससे देश की औद्योगिक क्रियाकलापों को बल मिलेगा। वर्तमान में गोंदिया-बल्लारशाह सेक्शन की क्षमता 125 फीसदी उपयोग में है, दोहरीकरण से अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध होगी। विदर्भ और मराठवाड़ा क्षेत्रों सहित तेलंगाना के कई जिलों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। यह परियोजना पर्यावरणीय संरक्षण, पर्यटन व क्षेत्रीय विकास के साथ-साथ स्वच्छ और कुशल परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

गोंदिया-जबलपुर रेल लाइन के भी दोहरीकरण का प्रस्ताव

गोंदिया-जबलपुर रेल लाइन के भी दोहरीकरण का प्रस्ताव है। जबलपुर-गोंदिया-बल्लारशाह लाइन के दोहरीकरण से उत्तर-दक्षिण भारत के बीच वैकल्पिक और बेहतर मार्ग उपलब्ध होगा । इससे अत्यधिक व्यस्त इटारसी-नागपुर मार्ग का ट्रैफिक दबाव भी कम होगा। हालांकि वर्तमान में भी जबलपुर-गोंदिया-बल्लारशाह मार्ग से विभिन्न ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है । रेल लाइन के दोहरीकरण पश्चात इस मार्ग की क्षमता में वृद्धि होगी।

दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर मुठभेड़, तीन नक्सली ढेर

- 400 जवानों ने नक्सलियों को घेरा, शव और हथियार बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर के भैरमगढ़ इलाके में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। सुबह 9 बजे से दोनों तरफ से फायरिंग शुरू हुई। जिसमें जवानों ने 3 माओवादी को ढेर किया है। तीनों के शव के साथ हथियार बरामद किया गया है। खबर लिखे जाने तक दोनों फायरिंग जारी रही।

दंतेवाड़ा जिले के एसपी गौरव राय ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि बीजापुर के इंद्रावती क्षेत्र के जंगलों में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी, जिसके बाद करीब 400 जवानों को ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया। एसपी गौरव राय ने बताया कि दोनों जिलों का यह जॉइंट ऑपरेशन है। सर्च अभियान अभी जारी है। एनकाउंटर में माओवादियों को भारी नुकसान होने की संभावना है। मुठभेड़ खत्म होगी तब स्थिति क्लियर होगी। नक्सलियों को कितना नुकसान हुआ है, इसके बाद ही पता लग पाएगा। मारे गए दो नक्सलियों में से एक के 6 जनवरी को हुए बीजापुर जिले के अंबेली ब्लास्ट की घटना में शामिल होने की बात सामने आ रही है। नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट कर जवानों से भरे वाहन को उड़ाया था। ब्लास्ट में 8 जवान और एक वाहन चालक शहीद हो गए थे।

शाह ने कहा था अगले चैत्र-नवरात्रि तक होगा लाल आतंक का खात्मा

छह दिन पहले बस्तर दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दंतेवाड़ा में कहा था कि अगले चैत्र नवरात्रि तक लाल आतंक खत्म हो जाएगा। बस्तर से नक्सलवाद खत्म होने के कगार पर है। नक्सलियों से सरेंडर करने की अपील की थी। लोगों से कहा था कि नक्सलियों को सरेंडर कराकर गांवों को नक्सल मुक्त बनाइए। हर गांव को एक करोड़ मिलेगा। वहीं बीते 10 दिनों के भीतर नक्सलियों की ओर से दो बार शांतिवार्ता की पेशकस की जा व चुकी है। सरकार ने हिंसा छोड़ने पर शांतिवार्ता की बात कही है।

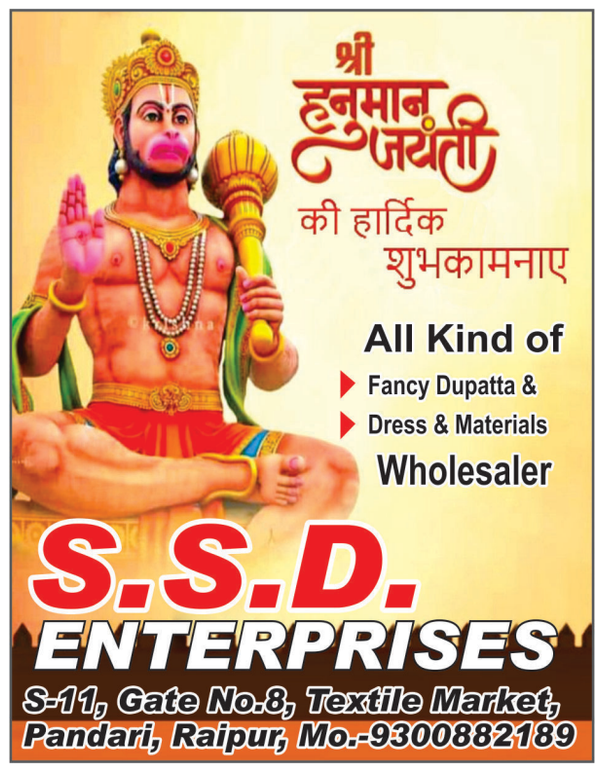

तेजी से बदल रही न्याय की अवधारणा

श्रीकंचनपथ

भारत में न्याय की अवधारणा तेजी से बदल रही है। बलात्कारियों के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट में तेजी से सुनवाई से लेकर उन्हें फांसी के तख्ते तक पहुंचाने की दिशा में तेजी से काम हुआ है। पर इसके साथ ही बलात्कार की धाराओं के दुरुपयोग की घटनाएं भी लगातार बढ़ी हैं। बलात्कार शब्द में ही बलात् का भाव निहित है। अर्थात जोर जबरस्ती से किसी के साथ किया गया संभोग। अर्थात पीड़ित की सहमति नहीं थी। कुछ ऐसे लोग भी होते हैं जो सहमति नहीं दे सकते। परिभाषा के विस्तार में न जाते हुए केवल इतना कहना काफी होगा कि नाबालिग की सहमति को सहमति नहीं माना जाता। इसी तरह नशे के प्रभाव में होने पर भी व्यक्ति अपने होशो-हवास में नहीं होता। अर्थात नशे की हालत में दी गई सहमति को सहमति नहीं माना जा सकता। मानसिक दिव्यांग की सहमति को भी सहमति नहीं माना जाता। बलपूर्वक हासिल की गई सहमति को भी सहमति नहीं माना जा सकता। पर देखा यह जा रहा था कि साथ-साथ मौज-मस्ती करने, नशा करने और सेक्स करने के बाद युवतियां अपने पार्टनर पर बलात्कार का आरोप लगा देती हैं। कई मामले तो ऐसे भी हैं जब रजामंदी से जोड़ा सालों साल पति-पत्नी की तरह साथ रहता है और जब अलग होते हैं तो युवक के खिलाफरेप का मामला दर्ज करा दिया जाता है। भारत में औसतन प्रतिदिन रेप के 86 मामले दर्ज किये जाते हैं। इनमें बड़ी संख्या में मामले ऐसे होते हैं जिन्हें यौन हमला, जबरदस्ती सेक्स या प्रताड़ना की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। थानों से लेकर अदालतों में ऐसे मामलों का अंबार लगा हुआ है। पर अब यह सब नहीं चलने वाला। इलाहाबाद हाईकोर्ट के विद्वान न्यायाधीश संजय कुमार सिंह ने दिल्ली में घटित एक वारदात की सुनवाई करते हुआ सख्त टिप्पणी की है। हाईकोर्ट ने माना कि जिसके साथ देर रात तक पार्टी की, जिसके साथ शराब पी और फिर सोने के लिए उसी के घर चली गई वह अपनी स्थिति के लिए खुद जिम्मेदार है। लोगों से यह अपेक्षित होता है कि वे अपनी सुरक्षा के लिए न्यूनतम उपाय स्वयं करें। हमेशा विक्टिम कार्ड नहीं खेला जा सकता। जाहिर है कि जैसे-जैसे रेप के लिए सजा सख्त होती जा रही है, वैसे-वैसे न्यायपालिका के लिए भी यह जरूरी होता जा रहा है कि वह बेगुनाहों की सुरक्षा के उपाय करे। इलाहाबाद हाईकोर्ट के ही एक अन्य न्यायाधीश राम मनोहर नारायण मिश्रा ने कुछ दिन पहले अपनी एक राय से सुर्खियां बटोरी थीं जब उन्होंने बालिका से छेड़खानी और निर्वस्त्र करने की कोशिश को बलात्कार की कोशिश मानने से इंकार कर दिया था। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय ने 28 मार्च को इस पर स्टे लगा दिया था। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि ऐसी टिप्पणी संवेदनाहीनता और अमानवीय सोच को दर्शाता है। ऐसी टिप्पणियां बताती हैं कि न्यायपालिका अब एक नई भूमिका के लिए तैयार है।

संपादकीय

सस्ते लोन की आस

अमेरिका के टैरिफ युद्ध से उपजी वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के बीच केंद्रीय बैंक ने सावधानी के फैसले लेने शुरू कर दिए हैं। शेयर बाजारों के ध्वस्त होने के बाद आर्थिक मंदी की आहट अमेरिका समेत पूरी दुनिया में महसूस की जा रही है। वैश्विक प्रतिकूलताओं के बीच केंद्रीय बैंक द्वारा हाल ही में दूसरी बार रेपो दर में 25 आधार अंक की कटौती अनिश्चितता के बीच सावधानी का ही संकेत है। केंद्रीय बैंक ने अब रेपो दर 6.25 से घटाकर 6 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है।

इस साल यह दूसरी बार कटौती है। जबकि पहली कटौती पांच साल बाद की गई थी। यह कदम वैश्विक अस्थिरता के प्रति रिजर्व बैंक की चिंता को ही दर्शाता है। निश्चित रूप से आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा के नेतृत्व में मौद्रिक नीति समिति द्वारा समायोजन के साथ बदलती प्राथमिकताओं का संकेत दिया है। अब बैंक की प्राथमिकता मुद्रास्फीति के बजाय विकास को गति देना है। निर्विवाद रूप से केंद्रीय बैंक ने यह कदम ऐसे समय पर उठाया है जब संयुक्त राज्य अमेरिका से उपजे व्यापार तनाव और टैरिफ संकट के बीच आर्थिक अनिश्चितता बढ़ रही है। ये हालात घरेलू स्तर पर खपत में कमी करके मंदी की आशंका बढ़ा सकते हैं। साथ ही विकास में निजी निवेश की संभावनाओं पर भी भारी पड़ सकते हैं। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने देश के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर के पूर्वानुमान को संशोधित करके 6.5 फीसदी कर दिया है। जो आने वाली आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर पैदा होने वाली चिंताओं को ही रेखांकित करता है। निश्चित रूप से यह फैसला आवास और ऑटो ऋण ले चुके लोगों के लिये राहत भरी खबर है क्योंकि रेपो रेट घटने पर ऋण लेने वालों की ईएमआई घट सकती है। साथ ही यह कदम नये ऋण लेने वाले लोगों को भी प्रोत्साहित करेगा। इससे रियल एस्टेट सेक्टर को गति मिलने की संभावना भी बढ़ गई है। हालांकि, उन लोगों को कुछ निराशा हो सकती है जो बैंकों में सावधि जमा राशि के जरिये जीवनयापन करते हैं। ऐसे में ब्याज दरों में गिरावट से उनका वास्तविक रिटर्न कम हो सकता है। फलतः निवेश को प्रोत्साहन देने के लिये नई रणनीति बनाने की जरूरत है। निस्संदेह, रेपो दरों में कटौती मौद्रिक अनुशासन का एक जरूरी उपकरण है, लेकिन ये अंतिम रामबाण उपचार भी नहीं है। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक को मुद्रास्फीति के दबाव व मुद्रा अस्थिरता के प्रति भी सतर्क रहना चाहिए। जिससे महंगाई बने रहने की चिंता भी पैदा हो सकती है। जरूरी है कि केंद्रीय बैंक द्वारा रेपो दरों में की गई कटौती का लाभ बैंक यथाशीघ्र अपने ऋण लेने वाले ग्राहकों को प्रदान करें। बहरहाल, दरों की यह कटौती केंद्रीय बैंक की विकास को गति देने की मंशा को ही जाहिर करती है। लेकिन यह कदम तभी प्रभावकारी हो सकता है जब राजकोषीय उपायों और संरचनात्मक सुधारों को गति प्रदान की जाए। बहरहाल, आम आदमी के लिये यह सुखद है कि उसकी ईएमआई कम हो जाएगी। साथ ही नये लोन भी सस्ते होंगे। जिससे हाउसिंग क्षेत्र में डिमांड बढ़ेगी।

> जिससे महंगाई बने रहने की चिंता भी पैदा हो सकती है। जरूरी है कि केंद्रीय बैंक द्वारा रेपो दरों में की गई कटौती का लाभ बैंक यथाशीघ्र अपने ऋण लेने वाले ग्राहकों को प्रदान करें। बहरहाल, दरों की यह कटौती केंद्रीय बैंक की विकास को गति देने की मंशा को ही जाहिर करती है। लेकिन यह कदम तभी प्रभावकारी हो सकता है जब राजकोषीय उपायों और संरचनात्मक सुधारों को गति प्रदान की जाए।

साथ ही लोग रियल एस्टेट में अधिक निवेश कर सकेंगे। निश्चित रूप से इस कदम से रियल एस्टेट सेक्टर को नई ताकत मिलेगी। वहीं उद्योग जगत ने भी केंद्रीय बैंक के फैसले का स्वागत किया है। उद्योग जगत लंबे समय से ब्याज दरों में कटौती की मांग करता रहा है, जबकि केंद्रीय बैंक की प्राथमिकता मुद्रास्फीति पर नियंत्रण की बनी रही थी। बहरहाल, केंद्रीय बैंक ने अर्थव्यवस्था में मुद्रा के प्रवाह को बढ़ाने का मन बना लिया है। यह तार्किक ही कि आर्थिक प्रतिकूलताओं के बीच मंदी के प्रभाव को टालने के लिये अर्थव्यवस्था में मुद्रा का प्रवाह बढ़ाने का सहारा लिया जाए। केंद्रीय बैंक को अहसास है कि टैरिफटकराव से घरेलू विकास दर प्रभावित हो सकती है। साथ ही निर्यात पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। ऐसे में सकारात्मक स्थिति यह है कि दुनिया में कच्चे तेल के दामों में गिरावट आई है, जिससे सरकार को महंगाई को काबू में रखने में मदद मिल सकती है।

पिछले कुछ महीनों में तमिलनाडु सरकार ने तीन भाषा सूत्र, चुनाव-क्षेत्र परिसीमन और नीट परीक्षा जैसे मसलों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफमोर्चा खोल रखा है। तीनों मामलों के कारण राजनीतिक कोलाहल तो हुआ है, पर बुनियादी तौर पर कुछ हुआ नहीं है। यह सब अगले साल होने वाले राज्य विधानसभा के चुनाव की पूर्व-पीठिका तैयार कर रहे हैं।

संघीय कशमकश और तमिल राजनीति

प्रमोद जोशी

तमिलनाडु विधानसभा से पास होने के बावजूद दस विधेयकों को रोक कर रखने के राज्यपाल आरएन रवि के फैसले को अवैध करार देते हुए उच्चतम न्यायालय ने एक संवैधानिक पेच को दुरुस्त ज़रूर किया है, पर इससे केंद्र-राज्य संबंधों और राज्यपालों की भूमिका से जुड़ी पहेलियों का हल पूरी तरह अब भी नहीं होगा। हाल के वर्षों में कुलपतियों की नियुक्ति, राज्य विधान परिषदों में नामांकन और राज्यपाल द्वारा पारंपरिक अभिभाषण के संपादन या सदन को बुलाने पर दुर्भाग्यपूर्ण रस्साकशी तो हुई ही है, विधानमंडलों से पारित विधेयकों को मंजूरी देने में देरी या इनकार जैसे कार्य भी हुए हैं।

विधानमंडल से पास हुए विधेयकों को रोकने की शक्ति को लेकर 2023 में, पंजाब राज्य के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने माना था कि राज्यपाल निर्वाचित विधायिका द्वारा पारित विधेयकों पर समयबद्ध तरीके से कार्य करने के लिए बाध्य हैं। अदालत के इस बार के फैसले ने उस समयबद्धता को परिभाषित भी कर दिया है। इससे विधानमंडल से पास हुए विधेयकों के बारे में राज्यपालों का विशेषाधिकार सीमित हो गया है। इस निर्णय का महत्व तमिलनाडु के राज्यपाल की निंदा से कहीं अधिक है। राज्यपाल अब जांच के बहाने कानून को अनिश्चितकाल तक विलंबित नहीं कर सकते। न्यायालय ने एक संवैधानिक सिद्धांत की पुष्टि की है कि राजभवनों को पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ काम करना चाहिए। अब सिद्धांत यह बना है कि किसी विधेयक को जब विधानमंडल दुबारा राज्यपाल के पास भेजें, तब उसे स्वीकृति दे दी जानी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल को 'शीघ्रता से काम करना चाहिए' और किसी विधेयक को अनिश्चितकाल तक रोककर वे 'पॉकेट वीटो' का इस्तेमाल नहीं कर सकते। अनुच्छेद 200 को अनुच्छेद 163 के साथ पढ़ा जाना चाहिए, जो राज्यपाल को कैबिनेट की सलाह पर काम करने के लिए बाध्य करता है। यदि कैबिनेट की सलाह के विपरीत राज्यपाल किसी विधेयक को मंजूरी नहीं देते हैं या उसे सुरक्षित रखते हैं, तो उन्हें ऐसा तीन महीने के भीतर करना होगा। दोबारा पारित विधेयकों के लिए समय-सीमा घटाकर एक महीना कर दी गई है।

राज्यपालों के मामले में भारत का अनुभव निराशाजनक रहा है। इस पद का दुरुपयोग लगभग सभी ताकतों ने अलग-अलग वक्त पर किया है। दिल्ली में जिसकी सरकार रही उसने राज्य सरकारों को बर्खास्त करने में राज्यपालों का सहारा लिया। दशकों से देश राज्यपालों की भूमिका को लेकर विमर्श कर रहा है, पर रास्ता अभी तक नहीं निकला है। हां, इतना जरूर हुआ कि सुप्रीम कोर्ट के बोम्मई मामले में फैसले के बाद राज्यों में सरकारों की बर्खास्तगी का चलन खत्म हो गया और सरकारों के बनने-बिगड़ने का स्वीकृत सिद्धांत बन गया। इस बार के फैसले से राज्यों की प्रशासनिक स्वायत्तता बढ़ेगी और संवैधानिक पदों का कामकाज नियंत्रित होगा, जिसका प्रभाव पूरे देश पर पड़ेगा। यह न्यायिक-हस्तक्षेप ऐसे समय में हुआ है, जब गैर-भाजपा दलों द्वारा शासित राज्यों में राज्यपालों और सरकारों के बीच तनाव चरम पर है। इस संवैधानिक सफलता का राजनीतिक श्रेय एमके स्टालिन की डीएमके सरकार को जाता है, पर वहीं मेडिकल प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा 'नीट' से छूट हासिल करने में तमिलनाडु सरकार को मुंह की खानी पड़ी है।

पिछले कुछ महीनों में तमिलनाडु सरकार ने तीन भाषा सूत्र, चुनाव-क्षेत्र परिसीमन और नीट परीक्षा जैसे मसलों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। तीनों मामलों के कारण राजनीतिक-कोलाहल तो हुआ है, पर बुनियादी तौर पर कुछ हुआ नहीं है। यह सब अगले साल होने वाले राज्य विधानसभा के चुनाव की पूर्व-पीठिका तैयार कर रहे हैं। बुधवार को एमके स्टालिन की अध्यक्षता में विधायक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि तमिलनाडु सरकार चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 'नीट' से राज्य को छूट दिलाने के लिए अपना कानूनी संघर्ष जारी रखेगी।

'नीट'के खिलाफ राज्य सरकार द्वारा 2023 में सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई याचिका के माध्यम से अपने प्रयासों को तेज करने के अलावा, आवश्यक हो तो एक नया मामला दायर करने के बारे में भी विधि-विशेषज्ञों से परामर्श किया जाएगा। पिछले हफ्ते ही खबर आई थी कि राष्ट्रपति ने 'तमिलनाडु अंडरग्रेजुएट मेडिकल डिग्री कोर्सेस बिल, 2021' को मंजूरी नहीं दी, जिसके बाद, मुख्यमंत्री ने विधायक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक बुलाई थी। तमिलनाडु का यह विधेयक सितंबर, 2021 में विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित किया गया था। राज्यपाल द्वारा विधेयक लौटाए जाने के बाद फरवरी, 2022 में एक सर्वदलीय बैठक आयोजित की गई थी। इसके बाद विधेयक को विधानसभा में फिर से पारित किया गया और राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा गया। केंद्र सरकार की सिफारिशों के आधार पर राष्ट्रपति ने इस विधेयक पर मंजूरी रोक दी। शुक्रवार 4 अप्रैल को विधानसभा में इसकी घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री स्टालिन ने केंद्र सरकार पर राज्य द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, 'नीट'की शुरुआत के बाद, ग्रामीण और वंचित छात्रों के लिए मेडिकल कोर्स करना मुश्किल हो गया है, जो कोचिंग क्लास का खर्च नहीं उठा सकते। यह प्रणाली भविष्य में राज्य के ग्रामीण और अविकसित क्षेत्रों में प्रदान की जाने वाली चिकित्सा सेवाओं को भी प्रभावित करेगी। 'नीट' को शहरी छात्रों के पक्ष में बनाया गया है, जो कोचिंग क्लास का खर्च उठा सकते हैं। यह सामाजिक न्याय के सिद्धांत के खिलाफ है।

डीएमके की दीर्घकालीन राजनीति में केंद्र से प्रतिस्पर्धा एक महत्वपूर्ण कारक है। 'नीट' से छूट हासिल करना राज्य के दशकों पुराने नीतिगत विमर्श का फिलहाल अनिर्णीत अध्याय है।

केंद्रीय नीति के खिलाफ राज्य का कानून बनाने का इतना लंबा कोई अन्य प्रयास नहीं रहा है। सितंबर, 2017 में, 'नीट' विरोधी दो विधेयकों का राष्ट्रपति भवन में यही हश्र हुआ। चार साल बाद, सत्तारूढ़ डीएमके ने, जिसने 'नीट' से छूट को अपना चुनावी वादा बनाया था, जस्टिस एके रंजन कमेटी की सिफारिशों के आधार पर विधानसभा में विधेयक पारित किया। राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए इसे आगे बढ़ाने के बजाय राज्यपाल आरएन रवि ने पहले इसे पांच महीने बाद सदन को लौटा दिया। विधानसभा ने सर्वसम्मति से विधेयक को फिर से पास किया और उसे राज्यपाल के पास भेज दिया, जिसे उन्होंने राष्ट्रपति को अग्रसारित कर दिया।

राज्य सरकार कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षा के अंकों के आधार पर सरकारी कोटा मेडिकल सीटों के लिए प्रवेश आयोजित करने की अपनी नीति पर अड़ी हुई है। संविधान के अनुच्छेद 254 (2) के अनुसार यदि किसी राज्य के विधानमंडल द्वारा बनाई गई विधि का कोई उपबंध केंद्रीय विधि के किसी उपबंध के प्रतिकूल है, तो संसद द्वारा बनाई गई विधि, प्रभावी होगी। चूंकि शिक्षा समवर्ती सूची में है, इसलिए केंद्रीय कानूनों के प्रतिकूल विधेयकों के लिए राष्ट्रपति से मंजूरी लेनी होती है।

लेखक वरिष्ठ संपादक रहे हैं।

अब ओबीसी पर ध्यान केंद्रित करने की रणनीति

वेद विलास उनियाल

कांग्रेस के गुजरात के अहमदाबाद में हुए 84वें अधिवेशन के संकेत स्पष्ट हैं। कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के अलावा कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष के साथ जहां पार्टी को फिर से सशक्त करे के लिए मंथन हुआ, वहीं चुनावों में पार्टी को सफलता दिलाने हेतु रणनीतियों पर भी गहरी चर्चा हुई।

कांग्रेस के सामने लक्ष्य स्पष्ट हैं कि उसे अपने खोये जनाधार को पाने के लिए खासी मशक्कत करनी है। उसे जहां बीजेपी के सामने सबसे बड़ा विकल्प बना रहना है। वहीं उसे अपने जनाधार के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष संघर्ष उन दलों से भी करना है जो उसके साथ अभी इंडिया गठबंधन में खड़े दिखते हैं। ये सारा खेल उस सियासी समीकरण का है जिसमें कांग्रेस अपनी दमदार उपस्थिति दिखाने की जद्दोजहद में जुटी है। इसी दायरे में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने कांग्रेस से ओबीसी के छिटकने की बात कही।

आजादी के बाद से कांग्रेस की सियासी रणनीति में उच्च जातियों, मुस्लिम और दलितों का ऐसा समीकरण रहा जिसका तोड़ विपक्ष के पास लंबे समय तक नहीं रहा। जनसंघ या तमाम समाजवादी दलों की सियासत मंचों पर तो मुखर रही लेकिन राजनीति के जोड़-घटाने में लगभग डेढ़ दशक तक ये पार्टियां लोकसभा या राज्यों के चुनाव में अंकों की तालिका में बस अपनी उपस्थिति ही जताती रहीं। साठ के दशक के अंत और सत्तर के दशक के शुरुआत में राजनीति के उथल पुथल के दौर में कई बदलाव देखने को मिले। कांग्रेस में खुलकर गुटबाजी और राजनीतिक पैंतरेबाजी देखने को मिली। हालांकि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कुशल नेतृत्व ने उस समय की स्थितियों को संभाल लिया। उनके नेतृत्व वाले धड़े को ही असली कांग्रेस के रूप में स्वीकार कर लिया गया। लेकिन कांग्रेस का जनाधार पहली बार यहीं से खिसकना शुरू हुआ था। इसी के चलते यूपी, बिहार जैसे राज्यों में विपक्ष की सरकारें बनीं। हालांकि, 71 के युद्ध के बाद इंदिरा गांधी के करिश्माई नेतृत्व से फिर से कांग्रेस को एक बड़ा आधार मिला। अगर 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए चुनाव परिणामों को छोड़ दें, तो उसके बाद कांग्रेस अपने जनाधार को वापस पाने के लिए लगातार जूझती रही है। 90 के दशक में कांग्रेस के लिए यह लड़ाई और कठिन हो गई। मंडल-कमंडल के बीच कांग्रेस का गलियारा छोटा हो गया। पूर्व पीएम वीपी सिंह ने ठंडे बस्ते में पड़ी मंडल आयोग की सिफारिश लागू की और ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण लागू हुआ। तब भविष्य की राजनीति की थाह न ले कांग्रेस ने इसका विरोध किया।

कांग्रेस ने अपनी सियासी रणनीतियों में जिन जातियों को फोकस किया उसमें पिछड़ी जातियां नहीं थीं। लेकिन फिर भी कांग्रेस के प्रभामंडल में पिछड़ी जातियों के वोट कांग्रेस को पड़ते रहे। उसके लिए इन जातियों को अपने साथ जोड़ने की पहल बहुत ज्यादा नहीं हुई। दूसरी तरफ इसी दौर में यूपी में सपा, बिहार में आरजेडी, ओडिशा में बीजू जनता दल, कर्नाटक में जनता दल यू जैसे दल उभरे और अपनी पृष्ठभूमि में सशक्त हुए। राजनीति की बयार को समझने वाले कांशीराम ने 1984 में बसपा को स्थापित किया तो उनके अपने लक्ष्य स्पष्ट थे। ज्यादा वक्त नहीं लगा। एक दशक से भी कम समय में यूपी में सपा-बसपा का एक मजबूत चक्रव्यूह तैयार हुआ। इसी बारीक सियासी पेंच को समझना होगा कि जहां पिछड़ी अति पिछड़ी जातियां सपा आरजेडी जैसे दलों के साथ जुड़ गईं, वहीं बाबरी मस्जिद ढहने के बाद मुस्लिमों ने कांग्रेस से किनारा कर दिया। कांग्रेस आज तक अपने जनाधार की कोशिश में है। दूसरी तरफ राममंदिर आंदोलन ने बीजेपी के लिए सत्ता का रास्ता बनाया। इसके साथ ही सामाजिक समीकरणों में बीजेपी ने पिछड़ी जातियों और दलितों के बीच उन समूहों को साधने की कोशिश की जो अपने को कहीं उपेक्षित महसूस कर रहे थे। खासकर 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद बीजेपी ने ओबीसी को प्रभाव में लाने के लिए जतन किए। यही नहीं बीजेपी ने अपनी बिसात बिछाते हुए हरियाणा मध्यप्रदेश जैसे राज्यों में ओबीसी मुख्यमंत्री दिए वहीं ओडिशा में आदिवासी समाज के नेता को नेतृत्व सौंपा। इसी ओबीसी की पिच पर कांग्रेस अब बीजेपी और दूसरे दलों से जूझना चाहती है। कांग्रेस के अधिवेशन से ठीक पहले राहुल गांधी के इस बयान के अपने मायने हैं कि हम ब्राह्मण, दलित मुस्लिम में ही उलझ गए ओबीसी हमसे दूर हो गया। कांग्रेस अब महसूस कर रही है कि तमाम कोशिशों के बाद भी वह सपा व आरजेडी जैसे तमाम दलों से अल्पसंख्यकों के आधार को छीन नहीं पा रही है। ऐसे में कांग्रेस की रणनीति ओबीसी को साधने की है। दरअसल, 2017 में ही कांग्रेस ने इस तरफ सोचना शुरू कर दिया था। लेकिन अब वह इस तरफ मुखर होना चाहती है। संसद में भी राहुल गांधी ने ओबीसी पर गंभीर नजर आए हैं। यही वजह कि वह जातीय गणना के मामले को तूल दे रहे हैं।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

अब नहीं लेते लोग एडवांस का चांस

मुकेश राठौर

'एडवांस आपके कार्य को गति देगा' इस टाइप की सूचनाएं पहले आम हुआ करती थीं। जहां भी ऑर्डर पर तारीख देकर कार्य होता था, यह सूचना जरूरी सी थी। एडवांस की एंट्री से कार्य करने और करवाने वाले दोनों बंध जाते थे। पैसे का जोड़ सबसे मजबूत होता है। कुछ साल पहले जब आज की तरह रेडीमेड ड्रेसेज पहनने का चलन नहीं था और न ही किचन में वाशिंग मशीन अवतरित हुई थी, हम कपड़े सिलाई और धुलाई वाले के यहां जाते थे। हम चाहते थे कि हमारा कार्य प्राथमिकता से किया जाए तो इसकी पहली शर्त थी कि हम पेशगी या एडवांस में कितनी रकम दे रहे हैं। यदि हम तीन-चौथाई या लगभग संपूर्ण रकम अग्रिम जमा कर दें तब तो समझो बंदा हाथ का काम पैर या पृष्ठ भाग के नीचे दबाकर हमारा काम हाथ में ले लेता था बल्कि कभी तो हाथों-हाथ कर भी डालता। यह एडवांस की ताकत थी, जो दिनों का काम घंटों में करवा डालती।

उन दिनों जब खेतों में मशीनों के पहिए नहीं पड़े थे और फसल पर ड्रोनों के पंख नहीं उड़े थे, बैल और मजदूरों के बिना खेती-किसानी संभव नहीं थी। जुताई, बुआई, निराई, सिंचाई से लेकर कटाई तक मजदूर की जरूरत पड़ती थी। छोटी जोत वाले काश्तकार तो 'अड़जी-पड़जी' कर काम चला लेते थे लेकिन जमींदार टाइप बड़े काश्तकारों को भारी संख्या में मजदूरों की जरूरत पड़ती थी, सो वे एक सीजन पहले ही आसपास के गांवों में जाकर मजदूरों को एडवांस दे आते थे और चैन की नींद सोते। समय आने पर मजदूर खुद जगाते कि साहब जी बताइए कब काम पर आ जाएं। यह तो हुई वस्तु और सेवाओं की बात, रिश्ते बनाने में भी बयाने का बोलबाला था। घर के बड़े-बुजुर्ग किसी की बेटी के हाथों में महज सवा रुपया और नारियल देकर अपने बेटे की सगाई तय कर आते थे, विवाह भले सालों बाद करते, दोनों पार्टियां टस से मस न होकर जस की तस बनी रहती। कई बार तो दो पक्ष अपने रिश्तों की सोनोग्राफी करते हुए गर्भस्थ शिशुओं का रिश्ता तय कर डालते थे। कान के कच्चे होकर भी वो लोग वचन के पक्के हुआ करते थे। वक्त आने पर प्राण छोड़ देते थे मगर दिया हुआ वचन नहीं। आज की एडवांस जनरेशन में अब एडवांस कहीं पीछे छूट गया है। समय के साथ हर बात का अर्थ बदल गया है। अब का मजदूर बंधुआ नहीं और न ही रिश्तेदार वादे के पक्के। अबके लोग कल का नहीं आज का सोचते हैं। अब एडवांस दे दिया तो कार्य को गति मिलने के बरअक्स सद्गति मिल जाती है भाई साहब। अब आप एडवांस देकर बुरी तरह फंस जाते हैं और वह मजबूरियां गिनाता फिरता है। शायर नासिर काजमी ने ठीक ही कहा है—तेरी मजबूरियां दुरुस्त मगर/ तूने वादा किया था याद तो कर।

ट्रंप के टैरिफ को टरकाने से वारे-न्यारे

सहीराम

कयामत का इंतजार तो खैर कौन करता है जी, शायरों के अलावा! पर ट्रंप के टैरिफका इंतजार तो सभी को था। और देखा जाए तो जनाब ट्रंप का टैरिफभी कयामत से कहां कम था। खुद ट्रंप ने उसे कयामत की तरह ही पेश किया था और दुनिया वालों ने भी उसे कयामत की तरह ही स्वीकार किया था।

वैसे तो अप्रैल का महीना खुद अपने यहां भी कयामत की तरह ही आता है, जब सारे बवाल शुरू होते हैं—आधार बदलने के नियमों से लेकर बैंकों की व्यवस्थाओं तक सब। लेकिन इस बार का अप्रैल तो पूरी दुनिया के लिए जैसे कयामत बनकर आया। ट्रंप पिछले दो महीने से सुबह-शाम दुनिया वालों को डरा रहे थे—मैं टैरिफलागू कर दूंगा। दुनिया वाले अपने सरकारों से इल्तिजा रहते रहे कि भाई इस टैरिफ का कुछ करो, पता नहीं यह क्या बवाल होने जा रहा था। बस एक हम ही थे, जो इससे डरे हुए नहीं थे। हम बिल्कुल उसी अंदाज में थे कि है बात कुछ कि हस्ती मिटती नहीं हमारी। हमने यह नहीं कहा कि ट्रंप हमारा दोस्त है। हमने उसकी जीत के लिए यज्ञ-हवन किए हैं। हमने कोई अहसान नहीं जताया। बल्कि हम तो इस अंदाज में डटे रहे कि टैरिफ हमारा क्या बिगाड़ लेगा। नहीं-नहीं हम बिल्कुल भी उस धज में नहीं थे कि नंग बड़ा भगवान से। बल्कि हम तो उस अंदाज में थे कि यह दुनियावी मोह-माया है। हमें इसके चक्कर में पड़ना ही नहीं है।

वैसे भी हम तो आपदा में अवसर ढूंढ़ने वाले लोग हैं। लोग तो चाहे न ढूंढ़ते हों पर सरकार जरूर आपदा में अवसर ढूंढ़ लेती है। हमारी सरकार का यही मंत्र शायद ट्रंप को भी रास आ गया है। टैरिफ लगाने का टाइम आया तो उसने टैरिफ लगाया भी। पलटकर दूसरों ने अमेरिका पर भी टैरिफ लगाया। लेकिन दूसरों के टैरिफ लगाने से वह ज्यादा चिंतित नहीं हुआ। दूसरों से तो वह कभी भी निपट लेगा। चीन से निपटना जरूरी था, सो जब चीन ने पलट टैरिफ लगाया तो उसने सवा सौ पर्सेंट टैरिफ लगा दिया। ठीक वैसे ही जैसे स्कूल का कोई बच्चा जब मास्टरजी की दी हुई सजा का विरोध कर दे तो फिर उसकी सजा कई गुना बढ़ा दी जाती है।

खैर, चीन का जवाब कुछ ईंट का जवाब पत्थर टाइप का रहा। बस आपदा में अवसर के मंत्र का असर यहीं से शुरू हुआ। ट्रंप साहब ने चीन को छोड़कर सब का टैरिफ पॉज कर दिया। इसके बाद तो जी वहां के शेयर बाजार में जैसे दिवाली-सी मन गयी। कई सालों का हिसाब बराबर हो गया। बताते हैं कि खुद ट्रंप साहब ने ही अपने सेठ दोस्तों को टिप दी थी कि फायदे में रहोगे। जबकि इधर हमारा शेयर मार्केट टैरिफके डर से पस्त पड़ा है। देख लो टैरिफ को टरकाने भर से सेठों के कैसे वारे-न्यारे हो गए। नहीं क्या?

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

वायुसेना में अग्निवीर पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाईन आवेदन 25 अप्रैल तक

दुर्ग। भारतीय वायुसेना में अग्निवीर भर्ती 2026 के लिये ऑनलाईन आवेदन करने की अंतिम तिथि 10 अप्रैल 2025 निर्धारित थी, जिसे संशोधित कर 25 अप्रैल 2025 किया गया है। इच्छुक आवेदक भारतीय सेना की वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक आवेदक जनरल, तकनीकी, क्लर्क, ट्रेडमैन (8वीं और 10वीं) महिला सैन्य पुलिस नर्सिंग सहयोगी और सिपाही फार्मा के पदों के लिए अपनी योग्यतानुसार ऑनलाईन आवदेन कर सकते हैं। इस बार के अभ्यर्थी अग्निवीर के दो पदों के लिए अपनी योग्यतानुसार आवेदन कर सकते हैं। अग्निवीर क्लर्क के अभ्यर्थियों को ऑनलाइन परीक्षा (सीईई) के समय टाइपिंग टेस्ट देना होगा। ऑनलाइन परीक्षा (सीईई) जून 2025 के बाद होने की संभावना है। किसी भी अन्य जानकारी और समस्या के लिये सेना भर्ती कार्यालय रायपुर के टेलीफोन नंबर 0771-2965212/0771-2965214 पर संपर्क किया जा सकता है अथवा विस्तृत जानकारी के लिये जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग के सूचना पटल का अवलोकन कर सकते हैं।

बीएसपी-सीएसआर द्वारा ग्राम कमकासुर में निःशुल्क चिकित्सा शिविर

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर के अंतर्गत दुल्की माइन्स के समीपस्थ ग्राम कमकासुर में 10 अप्रैल 2025 को नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस चिकित्सा शिविर में कुल 16 लोगों की जांच करके उनको दवाई का वितरण किया गया। प्रात: 10 बजे से प्रारंभ हुए इस शिविर में सामान्य जांच के अतिरिक्त शुगर, बीपी आदि की नि:शुल्क दवाएं भी प्रदान की गई।

भिलाई इस्पात संयंत्र अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों में, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की नि:शुल्क सुविधा काफी लंबे समय से उपलब्ध कराता आ रहा है। इसका उद्देश्य दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग द्वारा, सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए, निरन्तर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, संयंत्र के परिधीय तथा खनिज क्षेत्रों में किया जा रहा है।

अधिकारी-कर्मचारियों के अवकाश एवं मुख्यालय से बाहर जाने पर रोक

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जिले में 31 मई 2025 तक सुशासन तिहार एवं समयावधि में प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण को ध्यान में रखते हुए उक्त अवधि में जिला दुर्ग के अंतर्गत समस्त कार्यालय, विभाग प्रमुख व उनके अधिनस्त समस्त अधिकारीकर्मचारियों के समस्त प्रकार के अवकाश तथा मुख्यालय से बाहर जाने पर रोक लगाई है। बिना स्वीकृति के अवकाश,मुख्यालय से बाहर जाने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

भिलाई पहुंचे द ग्रेट खली : हनुमान मंदिर में किया अभिषेक कहा-दिव्य दर्शन और भिलाई वासियों के प्रेम से हूं अभिभूत

श्रीकंचनपथ न्यूज

विधायक रिकेश सेन के अनुरोध पर पहुंचे भिलाई, हनुमान जन्मोत्सव कार्यक्रम में की सहभागिता

भिलाई। भारतीय WWE दिग्गज द ग्रेट खली उर्फ दलीप सिंह राणा को वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन द्वारा सुंदर और व्यवस्थित करवाया गया सेक्टर-9 भिलाई के हनुमान मंदिर प्रांगण बेहद पसंद आया। अंडरटेकर को मात देकर डब्ल्यूडब्ल्यूई में देश का नाम रौशन करने वाले खली ने कहा कि विधायक रिकेश ने कूछ दिन पहले ही इस मंदिर का दर्शन मुझे विडियो कॉल पर जैसै ही कराया मैंने हनुमान जन्मोत्सव में भिलाई आने की ठान ली थी। सचमुच पवनपुत्र हनुमान के इस मंदिर में इतनी दिव्य शक्ति है कि अपने दुबई में आज के कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए मैं हनुमान जन्मोत्सव की पूर्व संध्या को यहां पहुंचा और मंदिर दर्शन पश्चात मुझे आज इस क्षेत्र के लोकप्रिय और सक्रिय युवा विधायक के साथ बजरंगबली का अभिषेक करने का अवसर मिला जिससे मैं खुद को सौभाग्यशाली महसूस कर रहा हूं।

हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर सेक्टर-9 मंदिर पहुंच कर खली ने भगवान का दर्शन किया तथा चौक पर आयोजित विशाल भक्तजन समूह के बीच हनुमानजी के अभिषेक कार्यक्रम में सहभागिता निभाई। मंच से उन्होंने युवा शक्तियों से दोनों हाथ उठा कर संकल्प कराया कि सभी लोग किसी बनना प्रकार के नशा से दूर रहते हुए देश और अपने भविष्य के निर्माण में सकारात्मक कदम बढ़ाते रहेंगे। खली ने कहा कि जिस तरह पत्थर तोड़ने जैसे मजदूरी का काम करते हुए मैंने अंडरटेकर तक को पछाड़ने का जज्बा खुद में लाया उसी संघर्ष और परिश्रम की शक्ति का महत्व समझते हुए हमारे युवा साथी हमेशा अपने बेहतर भविष्य के निर्माण और भारतवर्ष का नाम रौशन करने की सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ें।

दुबई का कार्यक्रम छोड़कर विधायक रिकेश के बुलावे पर आया

द ग्रेट खली ने कहा कि वैशाली नगर के विधायक रिकेश का भी जीवन संघर्षशील ही रहा है। राजनीति के क्षेत्र में 24 साल तक लगातार जनता की सेवा करते रहे तभी आपने उन्हें विधायक बनाया। विधायक बनने के बाद भी रिकेश सेन जितनी मेहनत और अपने भिलाई की चिंता करते हैं उसी का परिणाम है कि उनके आह्वान पर आप सभी और मैं भी यहां पहुंचा हूं। उन्होंने बताया कि आज मुझे दुबई में होना था लेकिन भिलाई वासियों का प्रेम और हनुमानजी की शक्ति ने मुझे भिलाई लाया है।

रेसलर दलीप सिंह राणा ने कहा कि मैं भगवान श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ आकर धन्य हो गया हूं। पक्का सनातनी होने के नाते मैं भिलाई और छत्तीसगढ़ के लोगों से एक अपील और करूंगा कि कितनी भी परेशानी आ जाए, कोई भी प्रलोभन हो, कभी अपना धर्म न बदलना और न ही लालचवश किसी सनातनी का धर्म परिवर्तन होने देना। मैं प्रभु राम और वीर हनुमान का सच्चा भक्त हूं और सनातनी होने का मुझे गर्व है।

महाआरती में शामिल हुए खली, जिला अध्यक्ष देवांगन ने भेंट किया स्मृति चिह्न

हनुमानजी का विधायक रिकेश सेन के साथ अभिषेक करने के बाद द ग्रेट खली महाआरती में भी शामिल हुए। विधायक रिकेश सेन और भाजपा जिलाध्यक्ष पुरूषोत्तम देवांगन ने दलीप सिंह राणा को स्मृति चिन्ह भेंट किया। खली ने अंत में भिलाई के लोगों से आह्वान किया कि कल हनुमान जन्मोत्सव के दिन रामायण में हनुमानजी का किरदार निभाने वाले हमारे देश के विश्व प्रसिद्ध पहलवान रहे स्व. दारा सिंह के सुपुत्र विंदू दारा सिंह कल शाम सेक्टर-9 हनुमान मंदिर प्रांगण पहुंच रहे हैं, दुबई जाने की वजह से मैं कल इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पा रहा हूं मगर आप सभी समय पर आकर बजरंगबली के भव्य अभिषेक में सहभागी अवश्य बनें।

सुशासन तिहार : मिले 109452 आवेदन, मांग के 106421 व शिकायत के 3031 आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। सुशासन तिहार के प्रथम चरण जिले में आज संपन्न हुआ। सुशासन तिहार समस्याओं का समाधान है। प्रथम चरण 08 से 11 अप्रैल तक आम जनता से समस्या संबंधी आवेदन लिये गये। द्वितीय चरण में आवेदनों का निराकरण एवं तृतीय चरण 05 से 31 मई 2025 समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। सुशासन तिहार को लेकर ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों के लोगों में काफी उत्साह देखा गया। सुशासन तिहार के प्रथम चरण 08 से 11 अप्रैल 2025 तक कुल 109452 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें 106421 मांग व 3031 आवेदन शिकायत से संबंधित है।

सुशासन तिहार-2025 के अंतर्गत जिला कार्यालय में 305 जिसमें 201 मांग एवं 104 शिकायत, जिला पंचायत दुर्ग में 20 जिसमें 13 मांग एवं 07 शिकायत, नगर पालिक निगम दुर्ग में 2928 जिसमें 2588 मांग एवं 340 शिकायत, नगर पालिक निगम भिलाई में 1549 जिसमें 1149 मांग एवं 400 शिकायत, नगर पालिक निगम रिसाली में 1131 जिसमें 942 मांग एवं 189 शिकायत, नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा में 632 जिसमें 521 मांग एवं शिकायत 111, नगर पालिक परिषद अहिवारा में 326 जिसमें 284 मांग एवं 42 शिकायत, नगर पालिक परिषद कुम्हारी में 990 जिसमें 885 मांग एवं 105 शिकायत, नगर पालिक परिषद जामुल में 390 जिसमें 366 मांग एवं 24 शिकायत, नगर पंचायत धमधा में 1277 जिसमें 1250 मांग एवं 27 शिकायत, नगर पंचायत पाटन में 724 जिसमें 652 मांग एवं 72 शिकायत, नगर पंचायत उतई में 3117 जिसमें 3075 मांग एवं 42 शिकायत, नगर पंचायत अमलेश्वर में 354 जिसमें 296 मांग एवं 58 शिकायत के आवेदन प्राप्त हुए। इसी प्रकार अनुविभागीय कार्यालय दुर्ग में 39 आवेदन प्राप्त हुए जो मांग 07 एवं 32 शिकायत हैं। धमधा में 19 जिसमें मांग 14 एवं 05 शिकायत, पाटन में 06 जिसमें मांग 04 एवं 02 शिकायत हैं।

भिलाई 3 में 14 आवेदन प्राप्त हुए जो मांग 10 एवं 04 शिकायत हैं। जनपद पंचायत दुर्ग में 34603 आवेदन जिसमें 33981 मांग एवं 622 शिकायत, धमधा में 16397 जिसमें मांग 16095 एवं 302 शिकायत, पाटन में 44414 आवेदन जिसमें 43937 मांग एवं 477 शिकायत आवेदन प्राप्त हुए है। तहसील कार्यालय दुर्ग में 103 आवेदन जिसमें 72 मांग एवं 31 शिकायत प्राप्त हुए हैं, तहसील कार्यालय धमधा में 21 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 17 आवेदन मांग एवं शिकायत 04 प्राप्त हुए है। तहसील कार्यालय पाटन में 22 आवेदन प्राप्त हुए जो 15 मांग एवं 07 शिकायत हैं। तहसील कार्यालय भिलाई 03 में 69 आवेदन जिसमें 45 मांग और 24 शिकायत एवं तहसील कार्यालय अहिवारा में 02 आवेदन प्राप्त हुए है जो 02 मांग आवेदन प्राप्त हुए।

शिक्षा समाज को बदलने व मजबूत राष्ट्र के निर्माण के लिए सबसे शक्तिशाली माध्यम : राज्यपाल डेका

- केके मोदी विश्वविद्यालय दुर्ग के प्रथम दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्यपाल
- 67 छात्रों को बी-टेक, बीबीए और बीसीए में प्रदान की गई डिग्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राज्यपाल रमेन डेका शुक्रवार को होटल रोमन पार्क में आयोजित के.के. मोदी विश्वविद्यालय दुर्ग के प्रथम दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विश्वविद्यालय के इस दीक्षांत समारोह में 67 छात्रों को बी-टेक, बीबीए और बीसीए में डिग्री प्रदान की गई। राज्यपाल रमेन डेका ने दीक्षांत समारोह और डिग्री मिलने पर छात्रों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आपकी यात्रा में आज एक ऐसा दिन है जो आपकी वर्षों की कड़ी मेहनत, दृढ़ता और ज्ञान की अथक खोज को दर्शाता है।

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि शिक्षा समाज को बदलने, व्यक्तियों को सशक्त बनाने और एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण के लिए सबसे शक्तिशाली माध्यम है। लेकिन आज की तेजी से विकसित हो रही दुनिया में, केवल डिग्री ही सफलता को परिभाषित नहीं करती है। राज्यपाल ने कहा कि स्नातक के रूप में, आप एक ऐसी दुनिया में कदम रख रहे हैं जो गतिशील और चुनौतियों से भरी है। इस नए युग को सफलतापूर्वक नेविगेट करने के लिए, आपको लगातार अपने आप को अपस्किल और रीस्किल करना होगा। राज्यपाल ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत सरकार ने कौशल भारत, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) और राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रोत्साहन योजना (एनएपीएस) जैसी पहलों के माध्यम से कौशल विकास पर महत्वपूर्ण जोर दिया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे युवा उद्योग के लिए तैयार हों और आर्थिक विकास को गति देने में सक्षम हों।

नौकरी की तलाश न करे बल्कि नौकरी सृजक बने

उन्होंने डिग्री प्राप्त युवाओं से आग्रह किया कि वे केवल नौकरी की तलाश न करे बल्कि नौकरी सृजक बने। साहसी बनें, जोखिम उठाएँ और वास्तविक दुनिया की समस्याओं के लिए अभिनव समाधान लाएँ। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि हम विकसित भारत 2047 के विजन की ओर आगे बढ़ रहे हैं, आप में से प्रत्येक को भारत को वैश्विक नेता बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। एक विकसित भारत की नींव उसके शिक्षित युवाओं के हाथों में है, जिन्हें नवाचार, प्रौद्योगिकी, सतत विकास और समावेशी विकास के माध्यम से योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि तकनीकी ज्ञान के साथ स्नातक होना महत्वपूर्ण है, लेकिन उद्योग में जो चीज आपको अलग बनाएगी, वह है प्रभावी ढंग से संवाद करने, आलोचनात्मक रूप से सोचने और विविध टीमों के साथ सहयोग करने की आपकी क्षमता। आधुनिक कॉर्पोरेट दुनिया को ऐसे पेशेवरों की आवश्यकता है जो आत्मविश्वास और दृढ़ विश्वास के साथ विचारों को व्यक्त कर सकें। सॉफ्ट स्किल्स, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, समस्या-समाधान क्षमता और नेतृत्व गुण आपकी सफलता में निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

संचार कौशल को लगातार सुधारने, टीमवर्क अपनाने की सलाह

राज्यपाल ने युवकों को अपने संचार कौशल को लगातार सुधारने, टीमवर्क को अपनाने और बदलती परिस्थितियों के अनुकूल एक अभिनव मानसिकता विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जब आप इन विश्वविद्यालय के द्वार से बाहर निकलते हैं, तो याद रखें कि सीखना कभी बंद नहीं होता है। उन्होंने कहा कि दुनिया एक निरंतर विकसित होने वाली कक्षा है, और आपकी व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास की यात्रा जारी रहनी चाहिए। राज्यपाल ने आह्वान किया कि आपकी शिक्षा ने आपको पंख दिए हैं; अब समय आ गया है कि आप ऊंची उड़ान भरें और अपनी बुद्धि और समर्पण के साथ देश के भविष्य को आकार दें। राज्यपाल श्री डेका ने डिग्री प्राप्त सभी छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। विश्वविद्यालय की उपकुलपति डॉ. मोनिका सेठी शर्मा ने विश्वविद्यालय की अकादमिक उत्कृष्टता और समग्र विकास के लिए प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय की कुलपति सुश्री चारू मोदी और मोदी इंटरप्राइजेस की अध्यक्ष डॉ. बीना मोदी ने भी समारोह में अपने विचार व्यक्त किए। दीक्षांत समारोह में विभिन्न विषयों में डिग्री प्राप्त छात्र-छात्राएं और उनके अभिभावक तथा प्रध्यापकगण उपस्थित थे।

पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम : कासारीडीह की महिलाओं में पोषण जागरूकता को लेकर दिखा उत्साह

- गर्भवती एवं शिशुवती महिलाओं को उचित पोषण, स्तनपान और नवजात शिशु की देखभाल के प्रति किया जागरूक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग शहरी परियोजना अंतर्गत सेक्टर कसारीडीह के आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य गर्भवती एवं शिशुवती महिलाओं को उचित पोषण, स्तनपान, और नवजात शिशु की देखभाल के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने गर्भवती एवं शिशुवती महिलाओं को उचित खानपान व स्तनपान के विषय में जानकारी दी। इसके अंतर्गत उन्होंने महिलाओं को तिरंगा भोजन थाली का महत्व, आयरन और कैल्शियम की दवा का नियमित सेवन, फल, सब्जियां, भाजियों का उपयोग के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने नवजात शिशु की देखभाल, जैसे स्वच्छता, नियमित टीकाकरण, और सुरक्षित वातावरण बनाए रखने एवं स्तनपान से जुड़ी सामान्य समस्याओं, जैसे दूध की कमी, शिशु का दूध न पीना, एवं स्तन में दर्द जैसी परिस्थितियों पर भी विस्तार से चर्चा की और उनके समाधान के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के द्वारा जागरूकता रैली निकालकर नारों के माध्यम से भी जागृति लाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग से कार्यकर्ता, सहायिकाएं व अन्य महिलाएं भी शामिल हुईं।

आयुर्वेद चिकित्सालय में लाईफ स्टाईल क्लीनिक का हुआ शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मोहनलाल बाकलीवाल शासकीय आयुर्वेद चिकित्सालय में लाईफ स्टाईल क्लीनिक का शुभारंभ आज विधायक श्री गजेन्द्र यादव एवं महापौर श्रीमती अल्का बाघमार के द्वारा किया गया। सर्वप्रथम धन्वंतरी पूजन कर दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की गई। छत्तीसगढ़ शासन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग एवं संचालनालय आयुष छ.ग. रायपुर के निर्देशानुसार लाईफ स्टाईल क्लीनिक की सेवायें दी जाएगी।

इस अवसर पर जिला आयुष अधिकारी डॉ. दिनेश चंद्रवंशी द्वारा आयुर्वेद में लाईफ स्टाईल से होने वाले रोगों एवं आहार विहार, प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग की जानकारी प्रदान की। क्लीनिक के माध्यम से समस्त रोगियों को खानपान प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग की विस्तृत जानकारी रोगानुसार प्रदान की जाएगी। इस दौरान सदस्य आयुषदीप समिति सुनील अग्रवाल, श्रीमती पीलिया साहू, पार्षद नगर पालिक निगम युवराज ठाकुर, देवनारायण चंद्राकर, पी. डब्लू.डी सदस्य, मंडल अध्यक्ष श्री मनमोहन शर्मा, श्वेता ताम्रकार, जिला मीडिया प्रभारी भास्कर तिवारी, श्री सुरूचि उमरे, पार्षद, श्रीमती शशी साहू, एम.आई.सी. सदस्य उपस्थित थे। विशेषज्ञ आयु. डॉ.जया साहू, आयु. चिकि.अधि डॉ. लक्ष्मी मारकण्डेय, डॉ. शैलेन्द्र सिंह ठाकुर, डॉ.एकता चंद्राकर, डॉ. नम्रता यादव, डॉ. मणीन्द्र मोहन श्रीवास्तव, डॉ. सरला बांदे सहित समस्त चिकित्सालय स्टॉफ उपस्थित रहे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

गृहमंत्री विजय शर्मा ने हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की

कवर्धा। गृहमंत्री विजय शर्मा ने हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की। सोशल मीडिया में गृहमंत्री विजय शर्मा ने लिखा, आज श्री हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर कवर्धा के सिद्ध पीठ श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की और प्रदेश एवं कवर्धा के विकास और समृद्धि की कामना की।
पवन तनय संकट हरन, मंगल मूरति रूप।
राम लखन सीता सहित, हृदय बसहु सुर भूप।।

आप सभी देशवासियों को श्री हनुमान जन्मोत्सव की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। संकटमोचन हनुमान का जन्मोत्सव 10 अप्रैल यानी आज है। इस दिन भक्त हनुमान जी की के साथ भगवान श्रीराम व माता सीता की विधि-विधान से पूजा करते हैं। मान्यता है कि इस दिन बजरंगबली की विधिवत पूजा करने से भक्तों को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है और जीवन में आने वाले हर संकट से रक्षा होती है।योध्या पहुंचे। हनुमंत लला के दर्शन करके पूजन किया।

राष्ट्रीय पैथोलॉजी दिवस समारोह में पैथोलॉजी क्विज़ का आयोजन

रायपुर। पं. जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, रायपुर के पैथोलॉजी विभाग द्वारा राष्ट्रीय पैथोलॉजी दिवस के उपलक्ष्य में पूर्व समारोह के रूप में एमबीबीएस छात्रों हेतु एक रोचक एवं ज्ञानवर्धक पैथोलॉजी क्विज का आयोजन किया गया। यह आयोजन छात्रों की शैक्षणिक क्षमता को विकसित करने, टीम भावना को प्रोत्साहन देने तथा पैथोलॉजी जैसे महत्वपूर्ण विषय के प्रति उत्साह उत्पन्न करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। रैपिड फायर प्रश्नोत्तरी के साथ कुल 06 राउण्ड्स में प्रश्न पूछे गये। इस प्रतियोगिता में 03-03 विद्यार्थियों की 06 टीमों ने भाग लिया। ये सभी एम.बी.बी.एस. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी हैं। कुछ प्रश्न दर्शक दीर्घा में उपस्थित चिकित्सा विद्यार्थियों से भी पूछे गये और सही उत्तर देने वालों को पुरस्कृत किया गया। इस आयोजन में विभागाध्यक्ष डॉ. अरविन्द नेरल की गरिमामयी उपस्थिति के साथ ही विशिष्ट अतिथियों के रूप में प्रोफेसर डॉ. राबिया परवीन सिद्दीकी, डॉ. चंद्रकला जोशी, डॉ. वर्षा पांडे, डॉ. विकास बोंबेश्वर, डॉ. रीति शर्मा, डॉ. रुचि वर्मा, डॉ. वनिता भास्कर, डॉ. अनुभव चंद्राकर, डॉ. कस्तुरी मंगरुलकर एवं डॉ. सरोज कुमारी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का संचालन क्विज मास्टर्स डॉ. सुदित पाल, डॉ. पुष्कर चौधरी, डॉ. मेधा वर्मा, डॉ. संध्या वर्मा एवं डॉ. सोनल चंद्राकर द्वारा अत्यंत रोचक एवं सुव्यवस्थित रूप से किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. अरविन्द नेरल ने अपने उद्बोधन में कहा- ऐसे शैक्षणिक प्रतियोगिताओं के आयोजन से विद्यार्थियों में विषय के प्रति रूचि रूझान पनपते हैं जिससे उन विषयों को पढ़ना ज्यादा आसान और आनंददायक हो जाता है।

सुशासन तिहार : महिलाओं ने मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद, कहा- यह सार्थक प्रयास

रायपुर। रायपुर जिले में सुशासन तिहार उत्साह से मनाया जा रहा है। नगरीय निकायों के विभिन्न वार्डों में, ग्रामीण क्षेत्रों और पंचायतों के अलग अलग स्थानों में समाधान पेटी रखी गई हैं और नागरिकों से लिखित आवेदन ली जा रही है। इसे नागरिक स्वयं समाधान पेटी में डाल रहे है। खासकर महिलाओं में सुशासन तिहार को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। वे बताती है कि घर के काम-काज में व्यस्त होने की वजह से अपनी समस्याओं को लेकर वे सरकारी कार्यालयों तक नहीं पहुंच पाती है। वहीं, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की इस नेक पहल से अब उन्हें घर के पास ही अपनी समस्याओं और मांगों को सरकार के सामने रखने का मौका मिला है। पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर निवासी निर्मला सोनी इस पहल को बहुत अच्छा बताते हुए मुख्यमंत्री श्री साय को धन्यवाद देती हैं। श्रीमती सोनी ने कहा कि सड़क, नाली और पानी जैसी समस्याओं से जूझते हैं तो कई बार निराकृत नही हो पाती है। समाधान पेटी में आमजनता अपने आवेदन डाल रही है। यह सफल प्रयास है। इसके माध्यम से हम अपनी बात सरकार के समक्ष रख पा रहे हैं और पहुंचा भी पा रहे हैं। गोल चौक निवासी संजना परिहार कहती हैं कि यह बहुत अच्छा अवसर है हम समाधान पेटी में अपना आवेदन प्रेषित कर सीधे सरकार से समाधान का आग्रह कर रहे है। इसी प्रकार श्रीमती टिकेश्वरी निषाद कहती हैं कि मैं प्रधानमंत्री आवास के मांग के लिए आई हूं।

मुख्यमंत्री साय ने स्कायर बिजनेस सर्विसेज को किया ऑफिस स्पेस आबंटित

नवा रायपुर को देश का अगला आईटी हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नवा रायपुर के सीबीडी स्थित कमर्शियल टॉवर (ब्लॉक-सी) के सातवें तल पर स्कायर बिजनेस सर्विसेज को 33,000 वर्गफुट का पूरी तरह सुसज्जित ऑफिस स्पेस आबंटित किया। यह आधुनिक ऑफिस स्पेस 11 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। इस पहल का उद्देश्य नवा रायपुर को भारत का अगला प्रमुख आईटी हब बनाना है।

संस्था में वर्तमान में 303 कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें से 279 छत्तीसगढ़ से ही हैं। नवा रायपुर और आसपास के क्षेत्रों के युवाओं को भी सीधे अवसर मिला है। इनमें 161 पुरुष और 142 महिलाएं शामिल हैं। खास बात ये है कि इनमें से 87 प्रतिशत कर्मचारी बीपीएल परिवारों से हैं और 83प्रतिशत आरक्षित वर्गों से आते हैं। यह कंपनी अपनी सेवाएं न सिर्फ देश में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी दे रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 10 नव-नियुक्त कर्मचारियों को प्रतीकात्मक रूप से ज्वाइनिंग लेटर प्रदान किए और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह केवल एक ऑफिस स्पेस का आबंटन नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ने की मजबूत शुरुआत है।

नवा रायपुर के सेक्टर-21 स्थित इसी कमर्शियल टॉवर में स्कायर बिजनेस सर्विसेज के साथ-साथ हैदराबाद की प्रतिष्ठित कंपनी, टेलीपरफॉर्मेंस (मुंबई) और सीएसएम (भुवनेश्वर) को भी ऑफिस स्पेस उपलब्ध कराया गया है। इन तीनों कंपनियों को कुल मिलाकर 75,000 वर्गफुट का क्षेत्र आवंटित किया गया है, जिससे अनुमानित 1500 से 1800 रोजगार अवसर सृजित होंगे।

इस बहुआयामी पहल को नवा रायपुर को आधुनिक आईटी गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है। यह पहल राज्य के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने, सामाजिक समावेश को बढ़ावा देने और तकनीकी उन्नति की दिशा में निर्णायक कदम है।

इस कार्यक्रम में आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ. पी. चौधरी, विधायक गुरु खुशवंत साहेब, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद, राहुल भगत, उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार, आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव अंकित आनंद तथा एनआरडीए के मुख्य कार्यपालन अधिकारीसौरभ कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि आईटी और सर्विस सेक्टर की कंपनियों के आने से छत्तीसगढ़ की पहचान बदल रही है। छत्तीसगढ़ अब टेक्नोलॉजी, नवाचार और सेवा क्षेत्र का भी एक उभरता हुआ केंद्र बन रहा है।

प्रदेश में वन आधारित पर्यटन और जल आधारित पर्यटन को दिया जाए बढ़ावा : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

- प्रदेश की प्रमुख शक्ति पीठों में पर्यटन सुविधाएं की जाएं विकसित
- छत्तीसगढ़ में पर्यटन को बढ़ावा देने तैयार किए जाएंगे टूरिज्म कॉरिडोर

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। छत्तीसगढ़ को देश के पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने के लिए पर्यटन, वन और जल संसाधन विभाग एकीकृत कार्ययोजना बनाकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में वन आधारित पर्यटन, महानदी, इन्द्रावती नदियों प्रदेश के प्रमुख बांधों में वाटर स्पोर्ट्स को बढ़ावा दिया जाए। प्रदेश की शक्ति पीठों में पर्यटन सुविधाएं विकसित की जाएं। मुख्यमंत्री ने प्रमुख पर्यटन स्थलों में आस-पास के स्थलों को शामिल कर पर्यटन सर्किट और कारीडोर तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने केन्द्र सरकार से सहायता के लिए प्रदेश की पर्यटन परियोजनाओं के नये प्रस्ताव तैयार करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री साय मंत्रालय महानदी भवन में प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में ईको टूरिज्म, एथेनिक टूरिज्म, एडवेंचर टूरिज्म, वेलनेस टूरिज्म, हेरीटेज टूरिज्म, वन्य जीव पर्यटन, वाटर स्पोर्ट्स की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर, सरगुजा सहित प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों को ब्रांड के रूप में स्थापित किया जाए।

वाटर स्पोर्ट्स को दिया जाएगा बढ़ावा

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में जल क्रीडा गतिविधियों के विकास के लिए भी काफी संभावनाएं हैं। हमारी सरकार ने धमतरी में गंगरेल बांध, महासमुंद के कोडार बांध, कोरबा के मिनी माता हसदेव बांगो बांध, सरोदा बांध, बस्तर के चित्रकोट जलप्रपात में वाटर बोटिंग के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। इन संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए प्रदेश की विभिन्न नदियों, बांधों में भी स्थल चिन्हांकित कर वाटर स्पोर्ट्स के रूप में विकसित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि बस्तर में चित्रकोट जलप्रपात, दंतेवाड़ा, ढोलकल, टाटामारी, बारसूर, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में तीरथगढ़, कुटुमसरगुफा, धुडमारास, तामड़ा घूमर, महेन्द्रिघूमर जलप्रपात को शामिल कर बस्तर कारीडोर विकसित किया जाए। इसकी राष्ट्रीय स्तर पर ब्रांडिंग की जाए। इसी तरह जशपुर जिले में मधेश्वर मंदिर, मायली लेक, कैलाश गुफा को शामिल कर कारीडोर बनाया जाए। उन्होंने महाप्रभु वल्लाभार्च की प्राकट्यभूमि चम्पारण में गुजराती पर्यटक बड़ी संख्या में आते हैं, यहां शादी-विवाह जैसे आयोजन भी होते हैं। इसे राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए पर्यटन सुविधाएं विकसित की जाए तथा व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

बैठक में स्वदेश दर्शन और प्रयाद योजना के तहत प्रदेश में संचालित विभिन्न पर्यटन परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वदेश दर्शन के तहत भोरमदेव कारीडोर के लिए 145 करोड़ रूपए की राशि स्वीकृति प्रदान की गई है। इससे धार्मिक और नैसर्गिग स्थलों को जोड़कर पर्यटन की दृष्टिकोण से बेहतर डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्रोत्पला फिल्म सिटी को विकसित करने के लिए फिल्म जगत के लोगों से मार्गदर्शन लिया जाए। नवा रायपुर में हमारी सरकार द्वारा चित्रोत्पला फिल्म सिटी बनायी जा रही है। इसके लिए केन्द्र सरकार द्वारा 95 करोड़ रूपए की स्वीकृति मिली है।

टूर एंड ट्रेवल एजेंसियों और जाने-माने होटल संस्थानों का लिया जाए सहयोग

मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, गुरू घासीदास तमोर पिंगला राष्ट्रीय उद्यान, बारनवापारा अभ्यारण, अचानकमार अभ्यारण्य, टाटामारी व्यू प्वाइंट जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों के साथ उस क्षेत्र के समीप स्थित छोटे-छोटे पर्यटन स्थलों को सम्मिलित कर सर्किट और कारीडोर विकसित करने के लिए योजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के धार्मिक महत्व, ऐतिहासिक महत्व और पुरातात्विक और नैसर्गिक महत्व के स्थलों को चिन्हांकित कर पर्यटन की दृष्टिकोण से बेहतर डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने ईको टूरिज्म और साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए टूर एंड ट्रेवल एजेंसियों और जाने-माने होटल संस्थानों के साथ बैठक कर प्रदेश में पर्यटन को बढ़ाने की संभावनाओं की भी तलाश की जानी चाहिए।

पर्यटन को उद्योग का दर्जा

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की नई औद्योगिक नीति में पर्यटन को उद्योग का दर्जा प्रदान किया गया है। इन क्षेत्रों में पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए अनुदान का प्रावधान भी किया गया है, जिससे निवेशकों के सहयोग से पर्यटन अधोसंरचना का विकास हो सके। राष्ट्रीय स्तर पर निवेशकों से संपर्क कर इन संभावनाओं का भी दोहन किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सालाना 2 करोड़ पर्यटक पर्यटन स्थलों में आते हैं। मुख्यमंत्री ने पर्यटन क्षेत्र के स्थानीय निवासियों को नियमित रूप से रोजगार मुहैया कराने के उद्देश्य ये होम स्टे सहित छोटे-छोटे कुटीर उद्योग पर भी लोगों को जोड़ने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्रों के ग्रामीणों में होम स्टे व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित भी करना चाहिए।

एक्शन-प्लान बनाकर अपूर्ण कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करें : अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने विभागीय कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने रायपुर के सिविल लाइन स्थित नीर भवन में आयोजित बैठक नगरीय निकायों में प्रगतिरत एवं अपूर्ण कार्यों को एक्शन-प्लान बनाकर समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न शहरों में निर्माणाधीन नालंदा परिसरों तथा अटल परिसरों के निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए। नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. और संचालक श्री आर. एक्का भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने समीक्षा बैठक में नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों से कहा कि हमें शहरों की सूरत एवं सीरत को बदलना है। नगरीय प्रशासन की व्यवस्था व्यवस्थित शहर के मापदंडों के अनुरूप हो, इसके लिए हमें आगे बढ़कर काम करने की आवश्यकता है। नगरीय प्रशासन की टीम अच्छा काम करेगी, तो कार्यों का क्रियान्वयन भी धरातल पर दिखेगा। उन्होंने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप शहरों के विकास में अपने अनुभव का पूरा उपयोग करें। आपके अनुभव का पूरा लाभ शहरवासियों को मिलना चाहिए। विभाग का काम एक मिसाल के तौर पर स्थापित हो, यह मेरी आप लोगों से अपेक्षा है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बैठक में नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा संचालित केन्द्र एवं राज्य शासन की योजनाओं के साथ ही नगरीय निकाय चुनाव में जारी घोषणा पत्र, निकायों के कामकाज तथा विधानसभा में दिए गए आश्वासनों पर विभागीय कार्यवाही की समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न नगरीय निकायों में अपूर्ण और लंबित कार्यों पर नाराजगी जाहिर करते हुए इन कार्यों की पूर्णता की समय-सीमा तयकर एक्शन प्लान बनाकर निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। श्री साव ने अटल परिसरों के निर्माण की असंतोषजनक प्रगति पर भी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने इसमें विलंब करने वाले निकायों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। श्री साव ने विधानसभा में प्रस्तुत सीएजी रिपोर्ट एवं उनकी अनुशंसा के अनुसार यथोचित कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने नगरीय निकायों के विद्युत देयकों का भुगतान 15वें वित्त आयोग के अनटाइड फंड से करने तथा निकायों में एनर्जी ऑडिट करने के भी निर्देश दिए।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. ने बैठक में बताया कि राज्य के 15 शहरों में नालंदा परिसरों के निर्माण के लिए पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में 107 करोड़ 53 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने बताया कि स्वच्छ और स्वस्थ छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए नगरीय निकायों में 15वें वित्त आयोग के तहत हर घर में कचरा बाल्टी मुहैया कराए जाने के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए अब तक 30 नगरीय निकायों के लिए 474 करोड़ 57 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है।

झारखंड से जुड़ना होगा आसान : कन्हर नदी पर बन रहा है पुल, मंत्री नेताम ने किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार के नेतृत्व में शासन ने सीमावर्ती इलाकों के विकास की दिशा में एक और मजबूत कदम उठाया है। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के रामचंद्रपुर विकासखंड में कन्हर नदी पर बन रहे उच्चस्तरीय पुल का राज्य के कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम ने स्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया। यह पुल न केवल सनावल क्षेत्र को झारखंड से जोड़ेगा, बल्कि दो राज्यों के बीच सड़क सम्पर्क का मुख्य माध्यम बनेगा।

निरीक्षण के दौरान मंत्री नेताम ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि निर्माण की गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि परियोजना को तय समयसीमा में पूरा किया जाए ताकि स्थानीय लोगों को जल्द से जल्द सुविधा मिल सके। मंत्री नेताम ने कहा कि यह पुल क्षेत्रीय समेकित विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। पुल के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा संस्थान और बाजार अब ग्रामीणों की पहुंच में होंगे। इसके अलावा पर्यटन और स्थानीय व्यवसाय को भी बढ़ावा मिलेगा।

लोक निर्माण विभाग द्वारा 15.20 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा यह पुल 312 मीटर लंबा और 8.4 मीटर चौड़ा है। अब तक 60 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। 12 पियर और 2 अबटमेंट में से अधिकांश का निर्माण पूरा हो गया है और स्लैब कार्य भी तेजी से प्रगति पर है। जून 2025 तक पुल का निर्माण पूरा कर लिए जाने का लक्ष्य है।

इस पुल से धौली, झारा, कुशफर, सेमरवा, पचावल, आनंदपुर जैसे 20 गांवों को सीधा लाभ मिलेगा। बरसात के समय जब नदी उफान पर होती है, तब लोगों को इलाज, शिक्षा और बाजार तक पहुंचने में काफी दिक्कत होती है। पुल बन जाने के बाद यह समस्या इतिहास बन जाएगी। सनावल क्षेत्र के हजारों लोग रोजमर्रा के कामों के लिए झारखंड के गढ़वा, नगर उंटारी और धुरकी जाते हैं। पुल से इन स्थानों की दूरी घटेगी और यात्रा भी सुरक्षित होगी। यह सुविधा पूरे साल निर्बाध रूप से उपलब्ध रहेगी। पुल परियोजना को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। स्थानीय लोगों ने मंत्री नेताम और राज्य सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पुल उनके लिए सिर्फएक संरचना नहीं, बल्कि एक नए युग की शुरुआत है।

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरीफायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोन: 0788-2225449, 93290-13017

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

ब्यूटी प्रॉब्लम्स का सौल्यूशन

खूबसूरत दिखना हर महिला की ख्वाहिश होती है. मगर इस के लिए रोज मेकअप में काफी सारा वक्त लगा पाना हर किसी के लिए संभव नहीं. खूबसूरत दिखना हर महिला की ख्वाहिश होती है. मगर इस के लिए रोज मेकअप में काफी सारा वक्त लगा पाना हर किसी के लिए संभव नहीं.

परमानेंट मेकअप सौंदर्य संबंधी सभी समस्याओं का स्थायी निदान है. यह सिर्फ मेकअप तकनीक ही नहीं, एक प्रकार से उपचार भी है. इसे आप टैटू आर्ट के समान मान सकते हैं. इस प्रक्रिया में नीडल के जरिए स्किन की अपर लेयर में पिग्मेंट पहुंचाया जाता है.

परमानेंट मेकअप में कई तरह के विकल्प मौजूद हैं. इस की जानकारी विस्तार से दी है, परमानेंट मेकअप एक्सपर्ट और आल्प्स ब्यूटी क्लिनिक्स की एक्जक्यूटिव डायरेक्टर, गुंजन गौर,

परमानेंट मेकअप के प्रकार

परमानेंट आईब्रोज

आईब्रोज का कलर लाइट हो या आईब्रो पतली हो या फिर बचपन की किसी चोट के चलते आईब्रो में कट हो जाने पर हमें डेलीडेली अपनी आईब्रोज की शेप को इंफ्रूव करने के लिए आईब्रो पेंसिल का इस्तेमाल करना पड़ता है. लेकिन परमानेंट आईब्रोज बनवा कर आप इस समस्या से छुटकारा पा सकती हैं. इस के जरिए मशीन द्वारा एक बार आईब्रो को खूबसूरत शेप व मनचाहे रंग से बना दिया जाता है जो पसीने या नहाने से खराब नहीं होती है.

परमानेंट लाइनर व कोल

लेंस व चश्मे का इस्तेमाल करने वालों के लिए रोजरोज लाइनर व काजल लगाना दिक्कत का विषय हो जाता है. परमानेंट आईलाइनर और काजल से आप की ये समस्या सुलझ सकती है.

परमानेंट लिपलाइनर व लिपकलर

लिप्स को शेप देने के लिए परमानेंट लिपलाइनर लगवाया जा सकता है. ये लिपलाइनर आप के मनचाहे शेप के अनुसार लगाया जाता है और लगभग 4 से 10 वर्षों तक बरकार रहता है. पेल लिप्स को कलरफुल करने के लिए परमानेंट लिपस्टिक एक वरदान है. इस से होंठ तकरीबन 3-4 महीने तक गुलाबी व सुंदर बने रहेंगे.

परमानेंट ब्यूटी स्पोट

हुस्न में सेक्स अपील जोड़ने के लिए परमानेंट ब्यूटी स्पौट बनवा सकती हैं.

परमानेंट कलरिंग

यदि आप सफेद दाग या ल्यूकोडर्मा पैचेस की शिकार हैं तो परमानेंट कलरिंग की तकनीक आप के लिए किसी रामबाण से कम नहीं. इस के अंतर्गत स्किन से मैच करते कलर को त्वचा की डर्मिस लेयर तक पहुंचाया जाता है जिस से दाग छुप जाते हैं. परमानेंट कलरिंग का असर 2 साल से ले कर 15 साल तक बना रह सकता है.

कितने समय तक ठहरता है परमानेंट मेकअप

आमतौर पर सभी परमानेंट मेकअप लगभग 15 सालों तक टिके रहते हैं लेकिन लिप कलर केवल 3 से 4 महीने तक ही रहता है और परमानेंट कलरिंग का असर केस टू केस निर्भर करता है.

ट्रेंड में

मेकअप एक्सपर्ट की हमेशा कोशिश होती है कि वो महिला को उस से भी अच्छे से जान सके और उस की कमियों को पूरा कर सके. वैसे इन दिनों तो परमानेंट आईब्रो बनवाने को ले कर महिलाओं में काफी क्रेज देखा जा रहा है, ऐसा इसलिए भी हो सकता है क्योंकि आईब्रो की सही शेप हमारे चेहरे को बेहतर फ्रेम प्रदान करती हैं और आप के लुक में खूबसूरत चेंज लाती है.

किन के लिए जरूरी

हर पल सुंदर दिखने की इच्छा रखने वाले तो परमानेंट मेकअप करवाना पसंद करते ही हैं. कैंसर के मरीज जो कीमोथैरेपी के दौरान अपनी आईब्रोज के बाल खो चुके होते हैं या फिर अक्सर तलाकशुदा लोग भी खुद को गम से उबारने के लिए अपने अंदर चेंज लाना चाहते हैं और इस कारण वो भी परमानेंट मेकअप को अपने लिए चुनते हैं. परमानेंट मेकअप की रेगुलर युवतियों की रुचि इस में निरंतर बनी रहती है.

जर्मन कलर्स और नीडल्स के द्वारा परमानेंट मेकअप किया जाता है. परमानेंट मेकअप का कोई साईड इफैक्ट नहीं है, बस इस प्रौसैस को करने के बाद हल्की सी रेडनेस नजर आती है जो 15 से 20 मिनट में चली जाती है. परमानेंट आईब्रो और परमानेंट आईलैश जौइनर जदातर वही करवाते हैं जिन की आईब्रो का कलर लाइट है व शेप किसी कारण खराब है. इस के अंतर्गत क्लाइंट की लैश लाइन के ऊपर स्किन और हेयर टोन से मैच करती एक ब्लैक लाइन बना दी जाती है जिस से लैशिज घनी व डार्क नजर आती है.

करियर वूमैन हो या हाउसवाइफ, हर स्त्री काम की अधिकता और समय की कमी से जूझ रही है. ऐस में मेकअप करने के लिए उस के पास वक्त नहीं होता, परमानेंट मेकअप इस समस्या का बेहतरीन सौल्यूशन है.

इन्हें चाहे तो खाएं या पिएं और गर्मी दूर भगाएं

गर्मी का मौसम जानलेवा बनता जा रहा है. हर साल गर्मी अपने पिछले साल का रिकौर्ड तोड़ रही है. सर्दी के 3-4 महीने के अलावा पूरे साल गर्मी रहती है. लेकिन लाख चाहने के बाद भी घर पर बंद होकर तो रहा नहीं जा सकता. बाहर निकलना भी जरूरी है. कड़कड़ाती गर्मी और सड़क पर लगे जाम को झेलना भी. यह सब झेला जा सकता है, सेहत के प्रति थोड़ा सचेत रह कर. इसके लिए शरीर के साथ मन को भी तरोताजा और ठंडा होगा. गर्मी में शरीर को अधिक से अधिक पानी की जरूरत होती है. गर्मी के दिनों में शरीर का पानी सूखता है. इसलिए पानी के साथ अलग-अलग तरह के तरल की भी जरूरत पड़ती है. शरीर में पानी की कमी होना डिहाइड्रेशन कहलाता है. यह जानलेवा भी हो सकता है. इसलिए शरीर में पानी मात्रा को बनाए रखना जरूरी है.

पानी की मात्रा को बनाए रखने के लिए पानी काफी नहीं है. इसके साथ खाने के पैटर्न में भी बदलाव जरूरी है. डॉक्टर खाने के बजाए पेय पर ज्यादा से ज्यादा निर्भर रहने की सलाह देते हैं. वैसे इस मौसम में बाजार में किस्म-किस्म के शीतल पेय और बोतल से लेकर फलों के जूस के ताजा होने बड़े दावे करनेवाले ट्रेटा पैक के जूस आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं. ये सब बेशक प्यास बुझाने और गर्मी से राहत देकर ठंडक जरूर महसूस कराते हैं. पर यह फौरी तौर पर राहत देते हैं. इस गर्मी में इतना काफी नहीं. सेहतमंद और पौष्टिक पेय भी जरूरी है, जो अंदरूनी तौर पर राहत दे. जाहिर है बोतलबंद और ट्रेटापैक जूस व पेय से बात नहीं बनेगी. कोलकाता की जानीमानी डायटिशियन रश्मि रायचौधरी कहती हैं कि उमस भरी गर्मी में शरीर को अंदरुनी तौर पर ठंडा रखने के लिए प्रकृति ने भरपूर फल-मूल दिया है. अब सवाल है कि किस तरह का खाना खाने से बगैर किसी तरह की शारीरिक समस्या के गर्मी आराम से कट सकती है. डायटिशियन द्वारा सुझाए गए कुछ फल इस प्रकार है:

खीरा: रोज खाने में एक मंझोले आकार का खीरा खाएं. इसे काट पर भी खाया जा सकता और सलाद में शामिल करके भी. खीरे और पुदीने का रिफ्रेशिंग स्मूदी, खीरे का रायता शरीर को भीतर से ठंडा और तरोताजा बनाता है. खीरे में पाया जाने वाला पोटाशियम शरीर में पानी का संतुलन बनाने में मददगार है. हालांकि इसमें अन्य फल व सब्जी की तरह ढेर सारे विटामिन नहीं होने के बावजूद शरीर के रोजमर्रा की विटामिन सी और के की जरूतर को पूरा करता है. इसके अलावा इसके छिलके में स्टेरल नाम का एक और उपादान पाया जाता है, जो कोलेस्ट्रोल की मात्रा को संतुलित बनाने में सहायक होता है. इसीलिए खीरे के छिलके को फेंकना मुनासिब नहीं है. खीरा इम्युन सिस्टम को भी मजबूत करता है.

नारियल पानी: इसमें पाया जाता है एमिनो एसिड, इंजाइम्स, डाइटरी फाइबर, विटामिन सी और कई तरह के मिनरल मसलन पोटाशियम, मैग्निशियम और मैंगनीज पाया जाता है. पोषक तत्व से भरपूर यह एक प्राकृतिक एनर्जी ड्रिंक है. इस पर यह फैट और कोलेस्ट्रोल फ्री होता है. इसमें पाया जानेवाला पोटाशियम गर्मी के एहसास को कम करता है. इतना ही नहीं, डॉक्टरों का मानना है कि नारियल पानी अपने आपमें स्लाइन का विकल्प है. हमारे देश में हर जगह चिकित्सा की सुविधा नहीं होती. ऐसे जगहों में हाइड्रेशन के कारण गंभीर रूप से बीमार हुए मरीजों को नारियल पानी पिलाया जाए तो यह शरीर में पानी की कभी को पूरा कर सकता है. यह डायबिटिज के मरीज के लिए लाभदायक है, क्योंकि यह शरीर में शक्कर के स्तर को नियंत्रित करता है.

तरबूज: रस से भरपूर तरबूत अपने आपमें एक 'होल फूड' भी है. शरीर में पानी की मात्रा को बनाए रखता है. स्वादिस्ट होने के साथ कई बीमारियों में यह रामवाण माना जाता है. दिल की बीमारी, डायबिटिज को नियंत्रित करता है. इसमें पाए जानेवाले विटामिन ए बी सी और आयरन इम्युन सिस्टम को मजबूती देता है. दिमाग को ठंडक देता है. जाहिर है गर्मी के मौसम में सिर को ठंडा रखेगा. रक्तचाप, कब्ज और खून की कमी को दूर करता है. सेहत के लिहाज में उपयोगी होने के साथ सौंदर्यवर्द्धक भी है यह तरबूज. इसमें पाया जानेवाला लाइकोपिन त्वचा को चमकदार बनाता है. इसके बीज को पीस कर चेहरे पर लगाने से निखार साफनजर आता है. इसके पल्प को चेहरे पर रगड़ने से ब्लैक हेड निकल जाते हैं. इतनी खूबियों वाले तरबूज का बाजारू जूस पीने से बेहतर है इसे ताजा खाना व पीना.

बेल: पका हो या कच्चा दोनों हर तरह से बेल फायदेमंद होता है. गर्मी के दिनों में पके बेल का शरबत शरीर में पानी की कमी को पूरा करता है. गर्मी केदिनों में अक्सर आंव-दस्त की समस्या होती है. तब पेट को ठंडा रखना जरूरी होता है. ऐसे में बेल फायदेमंद होता है. दरअसल यह फल पाचन व पेट संबंधी तमाम मर्ज की रामवाण दवा है. तेज गर्मी के दिनों में बेल का एक ग्लास शरबत लू से बचाता है. लू लग जाए तो इसके पल्प का लेप लू की जलन को भगा कर दवा का काम करता है. गर्मी में आंखे लाल हो जाती है, जलन महसूस होती है। ऐसी शिकायत होने पर बेल के पत्तों के रस का बूंद तुरंत लाभ पहुंचाता है. इसके रेशे कब्ज क शिकायत को दूर करते हैं. शक्कर, बेल का पल्प और नींबू मिला कर शरबत मन और शरीर को तरोताजा करता है. इसका मुरब्बा बल प्रदान करता है.

स्ट्रोबेरी: स्वाद में बढ़िया होने के साथ गर्मी के दिनों के लिहाज से इसकी सबसे बड़ी खूबी है कि यह शरीर में पानी की कमी को पूरा करता है, इसीलिए गर्मी के मौसम में उपयोगी है. इसमें विटामिन सी भूरपूर है, सर्दी-खांसी और संक्रमण से बचाव करता है. विटामिन सी त्वचा में कोलाजेन अधिक मात्रा में पैदा करता है, जो त्वचा को झुर्रियों से बचाता है।

आप का 'हैंडबैग' कर सकता है आप को बीमार

'हैंडबैग' में आप अपनी जरूरत की हर चीज रखना पसंद करती हैं ताकि जब आप को उस की जरूरत पड़े तब आप तुरंत इस्तेमाल कर सकें. लेकिन क्या आप को पता है कि आप अपने हैंडबैग में जरूरत की चीजों के अलावा और भी कुछ ले कर घूमती हैं? जी हां, आप के पर्स में कई तरह के बैक्टीरिया पैदा होते हैं जो आप को बीमार करते हैं.

एक नई रिसर्च के मुताबिक 90 फीसदी से अधिक हैंडबैग में बैक्टीरिया पनपते हैं, खासतौर पर महिलाओं के पर्स में ऐसा अधिक होता है. रिसर्च में पाया गया है कि रसोई घर, टेबल और बाथरूम जैसी जगहों की तुलना में पर्स में सब से ज्यादा बैक्टीरिया पनपते हैं जो नुकसानदायक होते हैं.

डेली मेल ने जनरल एडवांस बायोमेडिकल के हवाले से लिखा है कि महिला और पुरुष दोनों में ही संक्रमित रोग फैलने का बड़ा जिम्मेदार उन का पर्स है. हालांकि रिसर्च ये भी कहती है कि पुरुषों के मुकाबले महिलाओं के पर्स में अधिक बैक्टीरिया होते हैं. रिसर्च के दौरान ये बात भी आई है कि केवल 2.1 फीसदी महिलाएं महीने में एक बार अपना पर्स साफ करती हैं जबकि 81.5 कभी भी अपना पर्स खाली नहीं करतीं.

इन दिनों तो वैसे भी वायरल तेजी से फैल रहा है इसलिए आप स्वस्थ रहना चाहती हैं तो अपने हैंडबैग की सफाई जरूर करें, उस में केवल जरूरत की चीजें ही रखें, वह भी सही तरीके से.

कैसे करें हैंडबैग की सफाई

■हलके गुनगुने पानी में लिक्विड साबुन मिक्स कर के हैंडबैग के बाहरी हिस्से की सफाई करें. आप चाहें तो लिक्विड साबुन की जगह पर शैंपू का भी इस्तेमाल कर सकती हैं. इस से बाहरी हिस्से पर जमी गंदगी दूर हो जाएगी.

■कभी भी हैंडबैग की सफाई के लिए बेबी वाइप्स, विनेगर और अन्य घरेलू सामग्रियों का इस्तेमाल न करें. खास कर के दाग छुड़ाने के लिए क्योंकि इन प्रोडक्ट्स में कैमिकल का इस्तेमाल किया जाता है, जिस से कलर खराब होने का खतरा रहता है.

■लेदर के पर्स को हलके हाथों से मुलायम कपड़े से साफ करें. आप पेट्रोलियम जेली भी यूज कर सकती हैं.

■हैंडबैग को ऐंटीबैक्टीरियल जैल से साफ करना एक अच्छा विकल्प है.

■ बैग के कोने की सफाई के लिए टूथपिक का इस्तेमाल करें.

■जब बैग की सफाई करें तब तुरंत ही उस में सामान न भरें, उसे कुछ देर खुली हवा में रहने दें.

क्या न करें

■ मेकअप के सामान से अपना हैंडबैग न भरें. हैंडबैग में केवल वैसी ही चीजें रखें, जिन का आप रोजमर्रा के दिनों में इस्तेमाल करती हैं और इन प्रोडक्ट्स को भी एक पाउच में अच्छी तरह से पैक कर के रखें और समयसमय पर इस की सफाई करते रहें.

■खानेपीने की चीजें बैग में न रखें, खासकर के तब जब आप ने पैकेट खोल दिया है. इस से बैग में चीटियां आ सकती हैं.

गर्मी में भी लगना है स्टाइलिश, तो इन 5 तरीकों से पहनें स्कार्फ

गर्मियों के आते ही वार्डरोब में बदलाव आना आम सी बात है. जैसे ही गर्मियों का मौसम आता है अपने साथ कई परेशानियां भी ले आता है, और गर्मियों की कई परेशानियों में से एक है तेज धूप. कई लोग धूप से बचने के लिए छहां छतरी का इस्तेमाल करते हैं तो कई स्कार्फ पहन कर अपनी त्वचा का धूप से बचाव करते हैं. स्कार्फ ये स्कार्फ जहां एक ओर आपको धूप से बचाता है तो वहीं कई बार आपके स्टाइल स्टेटमेंट में भी चार चांद लगा देता है. एक स्कार्फ आपके कपड़े के पूरे लुक को बदल कर रख देता है. लेकिन इसके लिए जरूरी है कि स्कार्फ को सही तरीके से कैरी किया जाए. इसलिए स्कार्फ पहनने से पहले इस बात का ध्यान जरूर रखें कि आप इसे सही ड्रेस और सही लुक के साथ टीम-अप करें. स्कार्फ जहां आपके लुक को संवारता है तो वहीं आपके फैशन में भी चार चांद लगा देता है. आप चाहें तो स्कार्फ को अलग-अलग जगह पर अलग-अलग तरीकों से कैरी कर आकर्षण का केंद्र बन सकती हैं. यहां हम आपको बता रहे हैं स्कार्फ लेने के कुछ आसान टिप्स जिन्हें आजमा कर आप बिलकुल अलग नजर आएंगी.

बो-टाई

इसके लिए सबसे पहले अपने स्कार्फ को अपनी गर्दन के चारों ओर लपेटें. इसके बाद इसे अपनी शूज की लेस की तरह सामने की ओर बांध लें. ये न सिर्फ आपको डिफरेंट लुक देगा बल्कि आपको काफी स्टाइलिश बनाएगा.

बेल्ट की तरह

आप अपने स्कार्फ को अगर आउट ऑफ द बॉक्स जाकर पहनना चाहती हैं तो आप इसे बेल्ट की तरह भी इस्तेमाल कर सकती हैं. इसके लिए आप एक मोनोक्रोमेटिक ड्रेस पहनें और फिर इस पर एक प्रिंटेड स्कार्फ को पीछे की ओर से सामने लाएं और अपनी कमर को शेप देते हुए बेल्ट की तरह बांध लें. इसके लिए आपको एक रेक्टेंग्यूलर स्कार्फ की जरूरत होगी. ध्यान रखें की इसकी लंबाई ज्यादा न हो.

हेड-बैंड

अगर आपके पास एक छोटा और चौकोर स्कार्फ है तो आप इसे हेड बैंड की तरह भी इस्तेमाल कर सकती हैं. इस टेक्नीक से आप न सिर्फ अपना लुक बदल सकती हैं बल्कि आपके बाल भी सुरक्षित रहेंगे. इसके लिए स्कार्फ को पूरा खोल लें. इसके बाद इसे सामने की ओर से सिर पर रखें और पीछे की ओर से बालों के नीचे लाकर बांध लें.

क्रेवेट

इसके लिए पहले स्कार्फ को अपनी गर्दन में लपेटें. इसके बाद इसे दोबारा लपेटें और फिर अंत में पीछे ले जाकर नॉट बांध लें. ये आपकी गर्दन को हाइलाइट करेगा और आपको कंफर्टेबल भी रखेगा.

स्लाइडिंग नॉट

इसके लिए आपको एक लंबे स्कार्फ की जरूरत होगी. स्कार्फ को अपने गले में इस तरह लपेटें कि उसके दोनों छोर की लंबाई बराबर हो. अब एक सिरे में हल्की गांठ लगाएं और दूसरे सिरे को गांठ के बीच से निकाल कर खींचें. अब गांठ को सरका कर दोनो हिस्सों को बराबर कर लें. इसे आप प्लाजो के साथ टीम-अप कर सकती हैं.

प्लास्टिक की जगह इसलिए कांच की बोतल में पानी पीना सेहत के लिए फायदेमंद है

कांच की बोतल में अगर आप नींबू, संतरा या कोई भी फल डालते हैं तो ऐसा करना आपके स्वास्थ्य के लिए एकदम सेफ है. वहीं प्लास्टिक की बोतल में ये चीजें खराब हो जाती हैं और एक समय के बाद इनका रंग भी बदल जाता है.

काम करने की जगह पर हम सभी लोग पानी की बोतल रखते हैं जिससे बार-बार बोतल पानी से भरते रहें और खुद को हाइड्रेट रख पाएं. लेकिन यहां गौर करने वाली बात ये है कि पानी की बोतल आप कौन-सी इस्तेमाल करते हैं. प्लास्टिक, कांच या तांबे की बोतल. सच कहें तो कांच की बोतल में पानी पीना आपकी सेहत के लिए लाभकारी है. प्लास्टिक से ज्यादा कांच की बोतल में पानी पीने से आपको कई स्वास्थ्य संबंधी फायदे मिलते हैं. आइए जानते हैं कैसे.

कांच की बोतल में फिल्टर हुआ पानी ताजा और प्योर रहता है. इसमें किसी भी तरह का कैमिकल बदलाव नहीं होता है.

कांच की बोतल को साफ करना आसान होता है. ये अपनी चमक को बनाए रखती है. फिर चाहे आप इसे कितनी भी बार क्यूं न साफ कर लें. गर्मियां शुरू होते ही लोग बोतल में पानी भरकर फ्रिज में रख देते हैं. हालांकि ठंडा पानी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है लेकिन अगर आप कांच की बोतल में पानी भरकर रख रहे हैं तो एक हफ्ते बाद भी फिल्टर किया पानी वैसा ही रहेगा. इसमें किसी भी तरह का बीपीए या कैमिकल बदलाव नहीं होगा जो आपकी सेहत के लिए हानिकारक साबित हो.

कांच की बोतल में अगर आप नींबू, संतरा या कोई भी फल डालते हैं तो ऐसा करना आपके स्वास्थ्य के लिए एकदम सेफ है. वहीं प्लास्टिक की बोतल में ये चीजें खराब हो जाती हैं और एक समय के बाद इनका रंग भी बदल जाता है.

धरातल पर दिखना चाहिए निर्माण कार्यों के परिणाम : अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने विभागीय कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने राजधानी रायपुर के नवीन विश्राम भवन में आयोजित बैठक में प्रदेशभर में चल रहे सड़क, पुल-पुलिया, भवन निर्माण एवं सड़क मरम्मत के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने विभाग के कार्यों में कसावट लाने के साथ ही निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, समय-सीमा में काम पूरा करने और प्रभावी कार्य पद्धति अपनाने पर जोर दिया।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नए कार्यों के साथ ही सड़कों की मरम्मत की गुणवत्ता पर भी खास ध्यान देने को कहा, ताकि सड़के टिकाऊ हों और बार-बार मरम्मत की जरूरत न पड़े। उन्होंने अधिकारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन गंभीरता और सक्रियता से करने के निर्देश देते हुए कहा कि वे किसी भी कार्य या कार्यालय के औचक निरीक्षण के लिए किसी भी दिन पहुंच सकते हैं। विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों के परिणाम धरातल पर दिखने चाहिए। लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह और प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी सहित विभाग के सभी मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता तथा कार्यपालन अभियंता समीक्षा बैठक में मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी विभागीय अधिकारियों को निर्माण कार्यों की प्रगति की हर सप्ताह समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को फील्ड पर उतरकर कार्यों पर कड़ी नजर रखने तथा अच्छी गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में कार्य की पूर्णता सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने ठेकेदारों से निर्धारित समयावधि में सभी तरह के निर्माण कार्यों को पूरा कराने के निर्देश दिए। श्री साव ने विभागीय अभियंताओं को कार्यों के बेहतर, शीघ्र एवं परिणाममूलक क्रियान्वयन के लिए अपनी इंजीनियरिंग और प्रशासनिक कौशल का दक्षता से उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने अपनी योग्यता और क्षमता का फील्ड में पूर्ण उपयोग करते हुए अपने कार्यों से प्रदेशवासियों की उम्मीदों और आकांक्षाओं पर खरा उतरने को कहा।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्यों को गति देने के लिए अभी अनुकूल समय है। पिछले 14 महीने से विभाग में बहुत सकारात्मक माहौल में कार्य हो रहे हैं। उन्होंने विभाग की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाते हुए सुव्यवस्थित और सुनियोजित ढंग से तेजी से निर्माण कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्यों की बेहतर मॉनिटरिंग और मूल्यांकन के लिए ज्यादा से ज्यादा फील्ड विजिट पर जोर दिया। इससे कार्यों का निरीक्षण गंभीरता से होगा और उन्हें समय-सीमा में पूर्ण करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कार्यों की प्रगति पर कड़ी नजर रखने तथा किसी भी स्थिति में कार्यावधि बढ़ाने की स्थिति न बनें, इसका ध्यान रखने को कहा।

श्री साव ने बैठक में बस्तर संभाग में केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं/परियोजनाओं के अंतर्गत निर्माणाधीन सड़कों की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने सुरक्षा बलों और निर्माण एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय बनाकर इन कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए, जिससे सुदूर वनांचलों के लोगों को भी सुगम यातायात की सुविधा मिल सके। श्री साव ने वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों को नई नियुक्तियों तथा भर्ती प्रक्रिया की प्रगति की नियमित समीक्षा करते हुए इसमें तेजी लाने को कहा। उन्होंने न्यायालयीन मामलों के निपटारे के लिए सभी कार्यालयों में अलग से व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए।

लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने अधिकारियों को भवन निर्माण के कार्यों में गुणवत्ता के साथ ही भविष्य में उसके उपयोग के हिसाब से ड्राइंग-डिजाइन एवं कार्य पूर्णता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नए कार्यों की मंजूरी के लिए शासन को समय पर प्राक्कलन भेजने को कहा। डॉ. सिंह ने दुर्घटनाओं को रोकने सड़कों से ब्लैक-स्पॉट हटाने और जंक्शन सुधारने के स्वीकृत कार्यों को प्राथमिकता से शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा की गई घोषणाओं को पूर्ण करने संबंधित कार्यों का आंकलन प्रमुख अभियंता कार्यालय को प्राथमिकता से भेजने को कहा, ताकि उन्हें बजट में शामिल किया जा सके।

इन कार्यों की भी हुई समीक्षा

उप मुख्यमंत्री साव ने बैठक में चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में शामिल कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति के लिए प्राथमिकता के निर्धारण के साथ ही 2024-25 के विभागीय बजट में शामिल कार्यों के प्राक्कलन की अद्यतन स्थिति तथा प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने खेल विभाग, नाबार्ड, ए.डी.बी. और सी.आर.आई.एफ के कार्यों के साथ ही भूअर्जन, वन भूमि व्यपवर्तन, यूटिलिटी शिफ्टिंग एवं अन्य कारणों से बाधित कार्यों, पूर्व के वर्षों में सड़क, भवन एवं पुल के अपूर्ण कार्यों तथा पांच करोड़ रुपए से अधिक की लागत के सड़कों, भवनों एवं पुलों के महत्वपूर्ण कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री साय ने नवा रायपुर में ई-ऑटो सेवा का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नवा रायपुर में एक नई पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक परिवहन सेवा—ई-ऑटो सेवा—का शुभारंभ किया। यह सेवा नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण और छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के सहयोग से शुरू की गई है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि यह केवल एक परिवहन सेवा का शुभारम्भ नहीं, बल्कि महिलाओं के स्वावलंबन और उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में राज्य सरकार का एक सशक्त प्रयास है।

ई-ऑटो सेवा का संचालन महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा किया जाएगा, जिसमें 3 क्लस्टरों के 15 ग्राम संगठनों की कुल 40 महिला सदस्य शामिल हैं। यह ई-ऑटो सेवा 130 किलोमीटर के दायरे में आवासीय क्षेत्रों, कार्यालयों, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट और जंगल सफारी जैसे प्रमुख स्थानों को जोड़ेगी।

'लखपति दीदी योजना' के तहत यह पहल 40 महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी।महिलाओं की मासिक आय में वृद्धि होगी और वे आर्थिक रूप से सशक्त बनेंगी। यह सेवा आने वाले समय में स्थानीय परिवहन के क्षेत्र में एक मॉडल बनकर उभरेगी, जिससे नवा रायपुर के निवासियों को सुविधाजनक, किफायती और प्रदूषण रहित परिवहन सुविधा प्राप्त होगी। आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ. पी. चौधरी, विधायक गुरु खुशवंत साहेब, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद, उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार, आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव अंकित आनंद, एनआरडीए के सीईओ सौरभ कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

बयानार क्षेत्र में होगा स्वास्थ्य सेवाए बेहतर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का वन मंत्री केदार कश्यप ने किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने आज कोंडागांव जिले के दूरस्थ गांव बयानार में आयोजित लोकार्पण एवं भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों को कुल 03 करोड़ 05 लाख 65 हजार रुपए के विकास कार्यों की सौगात दी। इसमें प्रमुख रूप से बयानार में 1 करोड़ 3 लाख 99 हजार रुपए के सीएसआर मद अंतर्गत निर्मित प्राथमिक चिकित्सा केंद्र भवन का लोकार्पण और 2 करोड़ 1 लाख 66 हजार रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन शामिल है।

वन मंत्री श्री कश्यप ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि इस भवन के लोकार्पण से स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूती मिलेगी। साथ ही विभिन्न निर्माण कार्यों से क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है। इसी क्रम में जिले में भी स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु जिला प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। आज ग्राम बयानार को एक नई सौगात के रूप में प्राथमिक चिकित्सा केंद्र के नए भवन की सुविधा प्राप्त हुई है, जो स्वास्थ्य व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिले के अंतिम छोर पर स्थित इस गांव में चिकित्सा केंद्र भवन के लोकार्पण से आसपास के 21 गांवों के लगभग 15 हजार से अधिक ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ होंगी। इस नवीन भवन के आरंभ होने से न केवल दवाओं की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित होगी, बल्कि पहले से अधिक मरीजों का इलाज हो सकेगा। ग्राम बयानार में चिकित्सा केंद्र के नए भवन बनने से क्षेत्रवासियोंमें उत्साह और प्रसन्नता का वातावरण है।

वन मंत्री श्री कश्यप ने क्षेत्रवासियों को 2 करोड़ 1 लाख 66 हजार रुपए के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात भी दी है, जिसमें विधायक निधि से विभिन्न निर्माण कार्य और नलकूप खनन का कार्य शामिल है। लोकार्पण और भूमिपूजन कार्यक्रम के अवसर पर नवीन प्राथमिक चिकित्सा केंद्र में रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें गांव के युवाओं ने स्वैच्छिक रक्तदान किया।

लोकार्पण और भूमिपूजन कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रीता शोरी, पूर्व विधायक सेवकराम नेताम, जनपद अध्यक्ष अनीता कोर्राम, दीपेश अरोरा, जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारीगण सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण और ग्रामवासी उपस्थित थे।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने समाधान शिविरों में सुनीं जनसमस्याएं

सुशासन तिहार में दिखा जनसेवा का जज्बा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में सीधे जनता तक पहुंच कर उनकी समस्याओं के निदान करने सुशासन तिहार 2025 के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने आज सूरजपुर जिले के कई ग्रामों का दौरा किया। उन्होंने समाधान शिविरों में ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। ग्राम शिवप्रसादनगर, कसलगिरी, पार्वतीपुर, गणेशपुर और अजबनगर में आयोजित शिविरों में मंत्री राजवाड़े ने सीधे ग्रामीणों से संवाद किया और शासन की योजनाओं की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि यह तिहार जनता तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है।

मंत्री राजवाड़े ने न केवल प्रशासनिक संवाद किया, बल्कि गणेशपुर में आयोजित पारंपरिक सरहुल पूजा में भी सहभागिता निभाई। उन्होंने मांदर की थाप पर आदिवासी महिलाओं के साथ पारंपरिक नृत्य में भी भाग लिया, जिससे सांस्कृतिक वातावरण और भी जीवंत हो उठा।

शिविरों में ग्रामीणों ने राशन कार्ड, आधार कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य व आंगनबाड़ी से जुड़ी समस्याएं रखीं। मंत्री ने समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए समाधान के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। मंत्री राजवाड़े ने इस मौके पर महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान, सखी वन स्टॉप सेंटर, बाल संरक्षण योजनाएं और महिला स्व-सहायता समूहों की जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी और योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में पूर्व केबिनेट मंत्री गणेशराम भगत, जनपद अध्यक्ष स्वाति संत सिंह, जिला पंचायत सदस्य नरेंद्र यादव, जनपद उपाध्यक्ष मनमत बछाड़, हरीश सिंह, स्वाति राजवाड़े, सीमा सिंह मनिबग्गा सहित कई जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में आम नागरिक मौजूद रहे।

प्रदेश-व्यापी सुशासन तिहारः आमजनों ने अब तक दिए 7 लाख से अधिक आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में आमजनों की समस्याओं के निदान और उनसे रूबरू मुलाकात के लिए सुशासन तिहार के तहत गांव-गांव, शहर-शहर आवेदन लिए जाने का सिलसिला आज 11 अप्रैल तक जारी रहा। प्रथम चरण में आवेदन प्राप्त करने हेतु 8 अप्रैल से 11 अप्रैल तक समय निर्धारित किया गया था। आज अंतिम दिवस तक 7 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए।

जिसमें 11 अप्रैल को रात्रि 8 बजे तक पोर्टल में अपलोड आवेदनों की स्थिति में 1 लाख 65 हजार 918 मांग एवं 19 हजार 987 शिकायत सहित कुल 1 लाख 85 हजार 905 ऑनलाईन आवेदन प्राप्त हुए। इसी तहर शिविरों में 4 लाख 51 हजार 303 मांग एवं 12 हजार 695 शिकायत सहित कुल 4 लाख 63 हजार 998 आवेदन प्राप्त हुए तथा शिकायत पेटी के माध्यम से 50 हजार 336 मांग एवं 1 हजार 690 शिकायत सहित कुल 52 हजार 26 आवेदन प्राप्त हुए।

उल्लेखनीय है कि सुशासन तिहार तीन चरणों में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें प्रथम चरण में 11 अप्रैल तक आम जनता से ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों के कार्यालयों में सीधे आवेदन लिए गए। लोगों ने अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन अपने-अपने जिलों में ऑनलाईन, शिविर एवं समाधान पेटी में भी डाले।

जनसमान्य की समस्याओं से संबंधित आवेदनों को भरने के लिए ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायो के कार्यालयों में अधिकारी कर्मचारी की ड्यूटी भी लगाई गई थी, ताकि लोगों को अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन देने में किसी भी तरह की परेशानी न हो। सुशासन तिहार के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन पोर्टल एवं कॉमन सर्विस सेंटर के जरिए भी आवेदन प्राप्त किए जाने की व्यवस्था का आमजनों ने उपयोग किया है। विकासखंडों और जिला मुख्यालयों में भी आवेदन प्राप्त करने हेतु समाधान पेटी रखी गई थी, जहां लोगों ने अपनी समस्याओं के संबंध में आवेदन डाले।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा सुशासन एवं पारदर्शिता के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में सुशासन तिहार-2025 का आयोजन एक महत्वपूर्ण पहल है। सुशासन तिहार-2025 के तहत सभी प्राप्त आवेदनों की सॉफ्टवेयर में प्रविष्टि कर संबंधित विभागों को सौंपा जाएगा, और एक माह के भीतर उनका निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप सुशासन तिहार 2025 का आयोजन किया जा रहा है। जहां जनसामान्य की समस्याओं का प्रभावी एवं त्वरित समाधान, शासकीय कार्यों में पारदर्शिता और जनता से सीधा संवाद स्थापित किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी जिला कलेक्टरों को स्पष्ट निर्देशित किए है कि वे सुशासन तिहार के सुव्यवस्थित आयोजन और इसके अंतर्गत प्राप्त होने वाले आवेदनों के तत्परता से निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि राज्य और जिला स्तर पर निराकरण की स्थिति और गुणवत्ता की समीक्षा भी की जाएगी।

सुशासन तिहार के तीसरे चरण में प्रत्येक जिले की 8 से 15 ग्राम पंचायतों के मध्य समाधान शिविर आयोजित होंगे। नगरीय निकायों में भी आवश्यकतानुसार शिविरों का आयोजन किया जाएगा। शिविरों में आमजन को उनके आवेदन की स्थिति से अवगत कराया जाएगा, तथा यथासंभव आवेदन का त्वरित निराकरण भी वहीं किया जाएगा। शेष समस्याओं का निराकरण एक माह के भीतर कर सूचना दी जाएगी।

समाधान शिविरों में जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी और हितग्राहीमूलक योजनाओं के आवेदन प्रपत्र भी उपलब्ध कराए जाएंगे। इस अभियान में सांसदों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। मुख्यमंत्री, मंत्रीगण, मुख्य सचिव, प्रभारी सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारी स्वयं शिविरों में उपस्थित रहकर आमजन से संवाद करेंगे, और विकास कार्यों व योजनाओं से मिल रहे लाभ का फीडबैक लेंगे। साथ ही औचक निरीक्षण के माध्यम से चल रहे निर्माण कार्यों की वास्तविक स्थिति और गुणवत्ता का भी मूल्यांकन किया जाएगा।

सुशासन तिहार : जिले में करीब 41 हजार आवेदन प्राप्त

कोरिया। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देश पर जिले में चल रहे सुशासन तिहार में जनता ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। सुशासन तिहार के पहले चरण में अब तक जिले भर से 40 हजार 613 आवेदन जमा किए गए हैं, संख्या और बढ़ने की संभावना है। इनमें से अधिकांश आवेदन सीधे शिविरों के माध्यम से आए हैं, जबकि ऑनलाइन माध्यम से महज 3 हजार 137 आवेदन ही पहुंचे। मिली जानकारी के मुताबिक शाम 5 बजे तक सोनहत जनपद पंचायत से 7500, बैकुण्ठपुर विकासखंड से करीब 28 हजार, बैकुण्ठपुर नगर पालिका क्षेत्र से 330 शिवपुर-चरचा से 576 और पटना नगर पंचायत से 1070 आवेदन प्राप्त हुए हैं। अब इन आवेदनों का निराकरण एक माह के भीतर किया जाएगा। प्रशासन ने अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने हेल्पलाइन नंबर जारी किया था।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

एक लाख रूपये की इनामी महिला नक्सली ने किया सरेंडर, कई मुठभेड़ों में रही शामिल

कोंडागांव। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव में नक्सल उन्मूलन नीति को बड़ी सफलता मिली है। शासन की छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन नीति-2025 से प्रभावित होकर और माओवादी संगठन की खोखली विचारधारा एवं शोषण से तंग आकर एक एक लाख रुपये की इनामी महिला नक्सली ने आत्मसमर्पण कर दिया है।

सुरक्षा बलों की लगातार दबाव और कार्रवाइयों के चलते अब माओवादी संगठन में भय का माहौल है। इसका असर यह है कि बड़ी संख्या में नक्सली अब हथियार छोड़कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं।

आत्मसमर्पित महिला नक्सली वर्ष 2009 से 2011 तक जनमिलिशिया सदस्य रही, जबकि 2012 से 2022 तक बारसूर एलओएस सदस्य के रूप में सक्रिय रही। वह कोंडागांव, बस्तर व नारायणपुर के सीमावर्ती क्षेत्रों में हुई कई नक्सली मुठभेड़ों में शामिल रही है। प्रशासन ने आत्मसमर्पण करने वाली महिला नक्सली को प्रोत्साहन राशि के रूप में 50,000 रुपये प्रदान किए हैं।

एक्सीडेंट के बाद घायल को तुरंत नहीं मिली मदद, अस्पताल पहुंचने पर मौत

कोरबा। उरगा रोड पर एक्सीडेंट में घायल बाइक सवार युवक को गोल्डन ऑवर में मदद नहीं मिली। अस्पताल पहुंचने में देरी होने से घायल की मौत हो गई। उरगा थाना अंतर्गत भिलाईखुर्द-2 निवासी सुजल साहू (18) गुरुवार रात लगभग 8 बजे कूलर का सामान लेने बाइक में सवार होकर उरगा गया था।

वापसी के दौरान कोरबा-उरगा रोड पर पीछे से आ रहे तेजरफ्तार वाहन ने उसकी बाइक को ठोकर मार दी। बाइक बेकाबू होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई और सुजल गंभीर रूप से घायल हो गया। वह मौके पर तड़पते हुए मदद की गुहार लगाता रहा। सूचना मिलने पर उरगा थाना से पुलिस टीम मौके पर पहुंची। घायल सुजल को मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मामले में पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

राम मंदिर चौक में बड़ा सड़क हादसा, बस ने कई लोगों को कुचला, एक की मौत

कोंडागांव। कोंडागांव शहर के राम मंदिर चौक में आज बड़ा सड़क हादसा हो गया। एक तेज रफ्तार बस ने कई राहगीरों को रौंद दिया। इस दर्दनाक हादसे में कई लोग घायल हो गए हैं, जिनमें चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं, इलाज के दौरान एक घायल ने दम तोड़ दिया।

घायलों को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस ड्राइवर लापरवाही से गाड़ी चला रहा था, जिसकी वजह से यह हादसा हुआ। मौके पर पहुंची पुलिस ने बस को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

भिलाई में मानसिक रोगी की हत्या : बदमाशों ने डंडे और लोहे के पंच से पीटा, नाबालिग सहित 4 आरोपी गिरफ्तार

नेवई थाना क्षेत्र का मामला, पांच दिन पहले हुई थी मारपीट, अस्पताल में इलाज के दौरान हुई थी मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नेवई थाना क्षेत्र में मानसिक रोगी की हत्या का मामला सामने आया है। बीआरपी चौक के पास फ्लाईओवर के नीचे मानसिक रोगी युवक को चार लोगों ने मिलकर बेरहमी से पीटा जिससे उसकी मौत हो गई। बदमाशों ने उसे डंडे व लोहे के पंच से मारा। इस मामले में नेवई पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफधारा 296,118(1),351(3), 103(1), 3(5) बीएनएस के तहत कार्रवाई कर उन्हें जेल भेजा गया

मिली जानकारी के अनुसार घटना 7 अप्रैल की शाम की है। प्रार्थी शकील अहमद खान ने थाने पहुंचकर बताया कि उसका छोटा भाई जमील अहमद दीमागी रूप से कमजोर था। 7 अप्रैल 2025 को शाम करीबन 5.30 बजे बीआरपी चौक ओव्हर ब्रीज के नीचे खड़े होकर बडबडा रहा था। इस दौरान गुलशन, दुष्यंत, राजू साहू उर्फकरियां राजू एवं नाबालिग ने हमें गाली दे रहो हो कहकर हाथ मुक्का, डंडा, बेल्ट व लोहे के पंच से बुरी तरह से पीटा। इससे उसकके सिर, नाक,सीने व शरीर में विभिन्न जगह गंभीर चोटें आई है। इस मामले में नेवई पुलिस ने धारा 296, 118(1), 351(3), 3(5) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया।

मारपीट से बुरी तरह घायल जमील अहमद का उपचार दौरान डीके अस्पताल रायपुर में मौत हो गई। इसके बाद नेवई पुलिस ने इस मामले में हत्या की धारा 103(1) बीएनएस जोड़ी। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी जितेन्द्र शुक्ला ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। थाना प्रभारी नेवई के नेतृत्व में आरोपीगणों की पकडने हेतु टीम गठित किया गया। इसी दौरान आरोपीगण गुलशन, दुष्यंत, राजू साहू उर्फ करियां राजू व अपचारी बालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में इन लोगों ने अपराध घटित करना स्वीकार किया। आरोपियों के कब्जे से लोहे का पंच, बेल्ट व डंडा को जब्त किया गया। सभी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी राहुल बसंल (प्रशिक्षु आईपीएस), एएसई रामचन्द्र कंवर, आरक्षक रवि बिसाई, मो समीम, भुमिन्द्र वर्मा, चंदन भास्कर, विकास शर्मा, चितरंजन देवांगन, लक्ष्मीनारायण, हेमशंकर साहू, हेमंत नेताम, छत्रपाल वर्मा, संतोष कोमा का सराहनीय योगदान रहा।

शराब के नशे में पति ने टांगी मारकर ले ली पत्नी की जान

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में खौफनाक हत्या का मामला सामने आया है। यहां शराब के नशे में पति और पत्नी के बीच विवाद हुआ। विवाद इतना बढ़ गया कि पति ने टांगी से वार कर पत्नी की जान ले ली। घटना की सूचना पर जब पुलिस मौके पर पहुंची तो मृतका का शव खाट पर खून से लथपथ पड़ा था। पंचनामा के बाद शव को पीएम के लिए भेजा गया। इस मामले में पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 103(2) के तहत कार्रवाई करते हुए न्यायिक रिमांड पर उसे जेल भेज दिया गया। मामला जिले के थाना फरसाबहार क्षेत्रांतर्गत ग्राम धौरासांड बाघटोली का है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 10 अप्रैल को कुसबा सिदार (35) ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि ग्राम धौरासांड बाघटोली निवासी नन्दलाल सिदार ने अपनी पत्नी नानमती बाई को अपने ही घर में शराब के नशे में टांगी से मारकर हत्या कर दी। सूचना पर थाना फरसाबहार पुलिस मौके पर पहुंची तो घर में मृतिका नानमती बाई का शव खाट में हैं, जिसके सिर में धारदार हथियार से मारने का निशान था। प्रथम दृष्टिया मामला हत्या का प्रतीत होने पर पुलिस के द्वारा आरोपी पुलिस के द्वारा आरोपी नन्द लाल सिदार को हिरासत में लेकर शव का पंचनामा कर पोस्ट मार्टम कराया गया। डॉक्टर द्वारा शॉर्ट पोस्टमार्डम रिपोर्ट में सिर में लगी चोट के कारण, अत्यधिक रक्तश्राव से मृत्यु होना पाया गया। पुलिस द्वारा आरोपी नन्द लाल सिदार के विरुद्ध हत्या के लिए बीएनएस की धारा 103(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच विवेचना में लिया गया।

पुलिस की पूछताछ में आरोपी नंदलाल सिदार ने बताया कि एक दिन पहले 9 अप्रैल को गांव में साप्ताहिक बाजार था। मछली खरीद कर लाया और पत्नी ने पकाया। इसके बाद दोनों ने साथ में शराब पी और खाना खाने के बाद दोनों के बीच पारिवारिक बात को लेकर विवाद होने लगा। इस पर नंदलाल सिंह सिदार ने आवेश में आकर घर में रखे टांगी से वार कर मृतिका नानवती बाई की हत्या कर दी। पुलिस के द्वारा हत्या में प्रयुक्त टांगी को जब्त कर लिया गया। पुलिस के द्वारा आरोपी नन्द लाल सिदार के द्वारा अपराध स्वीकार करने व प्रयाप्त अपराध सबूत पाए जाने पर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

रायपुर के बाल संप्रेक्षण गृह में युवक ने फेंका बम, धमकी भरा लेटर भी भेजा

■ **आरोपी बोला- भाई को परेशान करोगे, तो जलाकर राख कर दूंगा**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के बाल संप्रेक्षण गृह में एक युवक ने बम फेंका दिया। गुरुवार को संप्रेषण गृह के अंदर मिले बम में धमकी भरा लेटर भी बंधा हुआ था जिसमें लिखा कि मेरे भाई को अगर अंदर परेशान करोगे तो संप्रेषण गृह को जलाकर राख कर दूंगा।

घटना माना थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी आकाश विश्वकर्मा जो पहले बाल संप्रेक्षण गृह में बंद रह चुका है। वर्तमान में उसका नाबालिग दोस्त संप्रेषण गृह के अंदर मारपीट के मामले में सजा काट रहा है। आरोपी आकाश को जानकारी मिली कि उसके दोस्त को अंदर परेशान किया जा रहा है, हर चीज के लिए उसे रोका-टोका जा रहा है तब उसने ऐसा कदम उठाया। ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

4 बम लगातार फेंके

थाना प्रभारी भावेश गौतम ने बताया कि, नाबालिग से मिलने उसके परिजन अंदर गए थे तो उसने रोते हुए बताया कि उसे अंदर परेशान किया जा रहा है। इसके अलावा स्टाफ भी रोक-टोक करते हैं। यह बात जब परिजनों से आकाश विश्वकर्मा को पता चली। तो उसे गुस्सा आ गया। वह पटाखे वाला तीन-चार बम लेकर गुरुवार रात 12 बजे के करीब संप्रेषण गृह के पास पहुंच गया। आकाश वहां पहले बंद रह चुका है इसलिए उसे आइडिया था कि बम कहां पर फेंकना है। उसने लगातार एक के बाद एक तीन-चार बम भीतर फेंक दिए। बम से अंदर रखे कुछ सामान जलकर राख भी हो गए।

सीसीटीवी में आया नजर

इस घटना के बाद आकाश मौके से फरार हो गया। उसने बम के साथ एक लेटर भी लिखा था जिसमें संप्रेषण गृह को जलाकर राख कर देने की बात थी। इस मामले में पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरे की मदद से आकाश की पहचान की। फिलहाल माना पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है।

सक्ति में दलित युवक को नग्न कर पीटने वाले 4 आरोपी पकड़ाए

■ **गर्लफ्रेंड से मिलने गया था, ग्रामीणों देखा और की पिटाई**

श्रीकंचनपथ न्यूज

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में एक दलित युवक को नग्न कर मारपीट मामले में 4 आरोपी को गिरफ्तार हुए है। मालखरौदा थाना क्षेत्र में 9 अप्रैल को हुई इस घटना में पीड़ित युवक को रातभर प्रताड़ित किया गया।

ग्राम बासिन का युवक अपनी नाबालिग प्रेमिका से मिलने ग्राम रबेली गया था। युवती के परिजनों और कुछ ग्रामीणों ने उसे देख लिया। आरोपियों ने युवक को पकड़कर रात भर मारते रहे। उसके शरीर में सुई भी चुभोई गई। अगले दिन सुबह उसे चौराहे पर नग्न करके घुमाया और फिर मारपीट की। पीड़ित युवक पानी के लिए गिड़गिड़ाता रहा, लेकिन किसी ने उसकी मदद नहीं की।

युवक को गंभीर चोटें आई

युवक को सिर, आंख और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई है। उसे रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। सक्ती एसडीओपी मनीष कुंवर ने बताया कि चार आरोपियों को

हिरासत में लिया गया है। उनसे पूछताछ जारी है। साक्ष्य संकलन के बाद विधिवत गिरफ्तारी की जाएगी। आरोपियों के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट सहित अन्य गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

टिकरापारा में शादी के एक माह बाद महिला की संदिग्ध मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। जिला मुख्यालय के टिकरापारा में 27 वर्षीय किरण यादव की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। एक माह पहले ही शादी हुई थी। मायके वालों ने मौत की वजह जानने शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टम करवाया। बालोद के तहसीलदार, एसडीओपी समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारी घटनास्थल में पहुंचकर दोनों पक्ष के लोगों का बयान लिया।

जानकारी अनुसार 5 मार्च को टिकरापारा निवासी रूपेंद्र यादव का विवाह आनंद नगर उसलापुर (बिलासपुर) की किरण यादव से हुआ था। घर में शादी की सजावट तक नहीं हट पाई थी और दुल्हन की अर्थी उठ गई। इस दर्दनाक घटना से परिजन ही नहीं बल्कि वार्ड के लोग भी स्तब्ध है। मृतका के पति रूपेंद्र यादव ने पुलिस को दिए बयान में बताया है कि गुरुवार शाम करीब 7 बजे उसकी पत्नी किरण की तबीयत अचानक खराब हो गई थी। इसी दौरान वह चक्कर खाकर गिर पड़ी। स्थिति बिगड़ते देख उन्होंने तुरंत एक निजी डॉक्टर को बुलाया। जिसने जांच के बाद किरण को मृत घोषित कर दिया। नवविवाहिता की मौत की सूचना गुरुवार देर शाम बालोद थाने में दी गई। शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे तहसीलदार आशुतोष शर्मा और बालोद एसडीओपी देवांश सिंह राठौर जांच के लिए पहुंचे। पंचनामा कर परिजन का बयान दर्ज किया।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत की वजह सामने आएगी मौत की सूचना मिलते ही मृतका किरण की मां कृष्णा बाई यादव और बड़ी बहन माना यादव बालोद पहुंचीं। परिजन का कहना है कि जब किरण की तबीयत खराब थी, तो उसे तत्काल अस्पताल क्यों नहीं ले जाया गया। मां ने बताया कि दोपहर में किरण से फोन पर बात हुई थी, लेकिन तबीयत को लेकर किसी तरह की परेशानी का जिक्र नहीं किया गया। एसडीओपी देवांश सिंह राठौर और टीआई रविशंकर पांडेय का कहना है कि मामले की सभी एंगल से जांच चल रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत की वजह सामने आएगी। शुक्रवार दोपहर 12 बजे पोस्टमार्टम किया।

अंबिकापुर में 150 किलो नकली पनीर पकड़ाया: दूध के बजाय पावडर और केमिकल से बना रहे थे, चारों तरफ फैली थी गंदगी, फर्म सील

■ **जिला प्रशासन, खाद्य विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने मारा छापा, केमिकल जब्त**

श्रीकंचनपथ न्यूज

सरगुजा। अंबिकापुर जिले के सागर डेयरी में 150 किलो नकली पनीर पकड़ाया है। बिशुनपुर खुर्द के डेयरी में दूध की बजाय पावडर और केमिकल्स से पनीर बनाया जा रहा था। सूचना मिलने के बाद जिला प्रशासन, खाद्य विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने छापा मारा।

मौके से पनीर बनाने का सामान व केमिकल जब्त कर फर्म को सील कर दिया गया है। जांच के दौरान ये भी देखने को मिला की चारों तरफ गंदगी फैली हुई थी और फर्म का रजिस्ट्रेशन भी खत्म हो चुका है। खाद्य सुरक्षा मानकों की अनदेखी भी की गई। एसडीएम फागेश सिन्हा के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी और पुलिस बल

संयुक्त टीम ने बिशुनपुर खुर्द स्थित सागर डेयरी में शुक्रवार शाम छापेमारी की। टीम जब सागर डेयरी पहुंची तो वहां बड़े पैमाने पर नकली पनीर तैयार किया जा रहा था।

जांच के दौरान टीम ने पाया कि निर्माण कार्य में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा था। परिसर में सफाई की स्थिति बेहद खराब थी और फर्म का पंजीयन भी समाप्त हो चुका था। इन गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए अधिकारियों ने तुरंत फर्म को सील कर दिया।

मौके से मिले पावडर और केमिकल्स की होगी जांच

मौके पर लगभग 150 किलोग्राम पनीर जब्त किया गया है। जांच के समय वहां मौजूद व्यक्ति ने अपना नाम मोहित कुमार बताया, जबकि फर्म के मालिक का नाम शाहिद बताया गया है। मौके पर पनीर बनाने के लिए उपयोग में आने वाले पावडर और केमिकल्स भी मिले हैं, जिनकी जांच कराई जाएगी कि ये केमिकल प्रतिबंधित या घातक तो नहीं हैं। कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी के साथ नायब तहसीलदार और पुलिस बल भी मौजूद थे। आगे की जांच जारी है। एसडीएम फगेश सिन्हा ने बताया कि मामले की जांच के बाद दोषियों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गौमांस तस्करी के 5 आरोपी गिरफ्तार: 6 किलो मांस बरामद, पुलिस ने आरोपियों को दौड़ाकर पकड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर में पुलिस ने ऑपरेशन शंखनाद के तहत गौमांस की तस्करी का भंडाफोड़ किया है। सिटी कोतवाली पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से एक स्कॉर्पियो वाहन और छह किलो गौमांस बरामद हुआ है।

थाना प्रभारी आशीष तिवारी के अनुसार, 10 अप्रैल को मुखबिर से सूचना मिली। एक स्कॉर्पियो में कुछ लोग झारखंड के गोविंदपुर से टिकैतगंज रोड होते हुए जशपुर आ रहे थे। पुलिस ने टिकैतगंज-पीढ़ी मार्ग पर घेराबंदी कर वाहन को रोका। भागने की कोशिश कर रहे आरोपियों को दौड़ाकर पकड़ा गया। वाहन से छह प्लास्टिक थैलियों में भरा कच्चा मांस मिला। पशु चिकित्सक ने जांच में इसकी गौमांस होने की पुष्टि की।

जशपुर और आसपास के इलाके के हैं आरोपी

गिरफ्तार आरोपियों में जेवियर तिर्की, विपिन तिर्की, आनंद किशोर एक्का, महावीर महतो और मनोज राम शामिल हैं। सभी आरोपी जशपुर और आसपास के क्षेत्रों के रहने वाले हैं। पूछताछ में आरोपियों ने झारखंड के गोविंदपुर बाजार से गौमांस खरीदने की बात स्वीकार की है।

पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 5 और 10 के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। एसएसपी शशि मोहन सिंह ने कहा कि गौवंश मांस की तस्करी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऑपरेशन शंखनाद जारी रहेगा और इसमें शामिल सभी लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह आगे चला गया है पिछले दस वर्षो से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

मुख्यमंत्री साय और केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने की खनिज विभाग के कामकाज की समीक्षा

मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री ने दिया देश के पहले लिथियम ब्लॉक का कंपोजिट लाइसेंस अनुबंध

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री किशन रेड्डी ने शुक्रवार को मंत्रालय महानदी भवन में खनिज विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में छत्तीसगढ़ की खनिज संपदा, अन्वेषण कार्यों, तकनीकी नवाचारों और राजस्व उपलब्धियों की विस्तृत समीक्षा की गई। केंद्रीय मंत्री रेड्डी ने खनन क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त की और देश की प्रगति में राज्य की अग्रणी भूमिका की बात कही। उन्होंने देश में वर्ष 2024-2025 में कोयला उत्पादन में 1 बिलियन टन का लक्ष्य हासिल करने पर खुशी जाहिर की और इसे पाने में छत्तीसगढ़ के योगदान को सराहा। इस मौके पर मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री ने देश के पहले लिथियम ब्लॉक के कंपोजिट लाइसेंस अनुबंध दस्तावेज सफल बोलीदाता के प्रतिनिधि को सौंपे। साथ ही दंतेवाड़ा जिले के तीन और कांकेर जिले के एक लौह अयस्क ब्लॉक के प्रीफर्ड बिडर आदेश प्रदान किए।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह समीक्षा बैठक प्रदेश में कोयला एवं खनन के क्षेत्र के लिए लाभदायक होगी। हम केंद्र सरकार के साथ आवश्यक समन्वय करते हुए खनन क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की भागीदारी को और अधिक प्रभावशाली बनाएंगे। विकसित भारत के निर्माण में हमारा राज्य खनिज क्षेत्र के माध्यम से एक मजबूत स्तंभ बने, यही हमारा लक्ष्य है। श्री साय ने बताया कि छत्तीसगढ़ खनिज संसाधनों से परिपूर्ण राज्य है और संसाधनों का समुचित व सतत उपयोग सुनिश्चित करने की दिशा में अनेक नवाचारी पहल की गई हैं।

हमारे राज्य में कोयला, लौह अयस्क, बॉक्साइट, टिन, चूना पत्थर सहित कई क्रिटिकल खनिजों की उपलब्धता है, जो प्रदेश की अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के साथ ही देश की औद्योगिक प्रगति में भी अहम भूमिका निभाती हैं। सीएम साय ने कहा कि विकसित राष्ट्र की परिकल्पना के परिप्रेक्ष्य में सामरिक महत्व के खनिजों की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए विभाग द्वारा अपनी अन्वेषण योजना में व्यापक बदलाव करते हुए क्रिटिकल खनिजों के अन्वेषण को प्राथमिकता दी जा रही है। सीएम साय ने कहा कि पारदर्शिता, पर्यावरणीय उत्तरदायित्व और तकनीकी दक्षता लाने के लिए खनिज ऑनलाइन पोर्टल, ई-नीलामी प्रक्रिया, स्टार रेटिंग जैसे उपायों को अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि डीएमएफके माध्यम से खनन प्रभावित क्षेत्रों के समावेशी विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार द्वारा भारत का पहला लिथियम ब्लॉक, ई-नीलामी के माध्यम से कोरबा जिले के कटघोरा क्षेत्र में माईकी साउथ माइनिंग प्रा. लि. को 76.05₹ की उच्चतम बोली के साथ आवंटित किया गया है। इसके अतिरिक्त राज्य शासन द्वारा ई-ऑक्शन के माध्यम से दंतेवाड़ा और कांकेर जिलों के कुल चार लौह अयस्क ब्लॉक्स के लिए उच्चतम बोलीदाताओं आर्सेलर मित्तल, रूंगटा सन्स और सागर स्टोन को आवंटित किया गया है। इस अवसर पर मुख्य सचिव अमिताभ जैन, कृषि उत्पादन आयुक्त शहला निगार, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार, सचिव अंकित आनंद, कोयला मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव रुपिंदर बराड़, संयुक्त सचिव बीपी पति, कोल इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन पीएम प्रसाद, एसईसीएल के सीएमडी हरीश दुहन, खनिज संचालक सुनील जैन एवं इंडियन ब्यूरो ऑफ माइंस के अधिकारी सहित केंद्र तथा राज्य सरकार के खनिज विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे।

खनिज संसाधनों की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध राज्य : जी किशन रेड्डी

केंद्रीय खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज संसाधनों की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध और रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण राज्य है। कोयला, लौह अयस्क, बॉक्साइट, चूना पत्थर जैसे महत्वपूर्ण खनिजों के साथ-साथ देश का एकमात्र टिन उत्पादक राज्य होने का गौरव भी छत्तीसगढ़ को प्राप्त है। श्री रेड्डी ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में 'क्रिटिकल मिनरल्स' और खनन क्षेत्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। छत्तीसगढ़ ने इस दिशा में जो अग्रणी कदम उठाए हैं, वे भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मील का पत्थर हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार खनिज संसाधनों के अन्वेषण, सतत उपयोग और खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि छत्तीसगढ़, खनिज क्षेत्र में अपनी मजबूत भूमिका निभाते हुए देश के समग्र विकास में प्रभावी योगदान देता रहेगा।

14,195 करोड़ रुपये का खनिज राजस्व

खनिज राजस्व और अन्वेषण में ऐतिहासिक प्रगति का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री के सचिव पी दयानंद ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में छत्तीसगढ़ ने लगभग 14,195 करोड़ रुपये का खनिज राजस्व अर्जित किया है, जो प्रदेश की कुल आय का 23 प्रतिशत और जीएसडीपी का 11प्रतिशत है। राज्य ने ई-नीलामी के माध्यम से 48 मुख्य खनिज ब्लॉक्स का सफलतापूर्वक आवंटन किया है। उन्होंने कहा कि 2024-25 की 56 अन्वेषण परियोजनाओं में से 32 सामरिक, क्रिटिकल व डीप सीटेड खनिजों के लिए हैं। पिछले वर्षों में ई-नीलामी के माध्यम से ग्रेफाइट, ग्लूकोनाइट,निकल-क्रोमियम-पीजीआई, गोल्ड जैसे महत्वपूर्ण खनिजों के 10 ब्लॉक्स आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि देश का पहला लिथियम ब्लॉक कटघोरा में सफलतापूर्वक आवंटित हुआ है, जो ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम है और यह हमारे राज्य की क्षमता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पारदर्शिता एवं दक्षता सुनिश्चित

मुख्यमंत्री के सचिव पी दयानंद ने बताया कि खनिज ऑनलाइन पोर्टल, क्लाउड बेस्ड व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम जैसी पहल से पारदर्शिता एवं दक्षता सुनिश्चित की गई है। वहीं गौण खनिजों के लिए स्टार रेटिंग प्रणाली, वैज्ञानिक पद्धति से माइनिंग और पर्यावरण सुरक्षा के साथ सतत खनन को बल मिला है। उन्होंने बताया कि पूर्व खदानों के पुनर्विकास जैसे विश्रामपुर में केनपारा ईको टूरिज्म और जामुल में किन्नू गार्डन के प्रकल्प इस दिशा में उठाए गए महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने बताया कि खनिज विकास निधि से प्रदेश के खनिज बाहुल्य अंदरूनी क्षेत्रों में रेल पथ निर्माण हेतु 720 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाएं परिवहन ढांचे को मजबूत कर रही हैं। उन्होंने बताया कि डीएमएफपोर्टल के माध्यम से 33 जिलों में 15 हजार करोड़ से अधिक की राशि से खनन प्रभावित क्षेत्रों का समावेशी विकास सुनिश्चित किया जा रहा है।

गेवरा खदान का किया था दौरा

केंद्रीय मंत्री रेड्डी ने अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान देश की सबसे बड़ी कोयला खदान गेवरा के निरीक्षण का ज़िक्र किया। उन्होंने खदान में किए जा रहे नवाचारों और अत्याधुनिक तकनीकों की भी सराहना की। उन्होंने गेवरा में जापानी मियावाकी तकनीक से विकसित वृक्षारोपण स्थल का उल्लेख करते हुए इस पहल के वृहद स्तर पर उपयोग की भी बात कही। श्री रेड्डी ने खनन प्रभावित क्षेत्रों में पीएम सूर्य घर योजना के तहत सौर विद्युत उपलब्ध कराने की भी बात कही। उन्होंने खनन क्षेत्रों में बढ़ रहे यातायात के दबाव एवं नागरिक सुरक्षा को देखते हुए कोयला परिवहन के लिए बनाए जा रहे डेडिकेटेड कोल कॉरिडोर की प्रगति की भी जानकारी ली।

सचिव ने दिया पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन

मुख्यमंत्री के सचिव और खनिज साधन विभाग के सचिव पी. दयानंद ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा संचालित खनन गतिविधियों एवं नीतियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि खनिज संसाधनों के समुचित दोहन एवं प्रबंधन के लिए केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों का बेहतर समन्वय करते हुए कई महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 28 प्रकार के खनिज मौजूद हैं। हमारा राज्य देश के कुल क्षेत्रफल का मात्र 4₹ होने के बावजूद राष्ट्रीय खनिज उत्पादन मूल्य में 17₹ से अधिक का योगदान देता है और खनिज उत्पादक राज्यों में द्वितीय स्थान पर है।

मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री ने सौंपे लिथियम ब्लॉक के कंपोजिट लाइसेंस और लौह अयस्क ब्लॉक्स के प्रीफर्ड बिडर आदेश

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज समीक्षा बैठक के दौरान कटघोरा लिथियम ब्लॉक के कंपोजिट लाइसेंस अनुबंध दस्तावेज और 04 लौह अयस्क ब्लॉक्स के प्रीफर्ड बिडर आदेश सफल बोलीदाताओं को प्रदान किए। इसके साथ ही टिन खनिज के 03 भौमिकी प्रतिवेदन ई-नीलामी के माध्यम से आवंटन हेतु भारत सरकार के कोयला मंत्रालय को सौंपा गया है। चूंकि टिन सामरिक महत्व का खनिज है, इसलिए खनिज अधिनियम के तहत इसके आवंटन का अधिकार भारत सरकार के खान मंत्रालय को है। प्रदेश के खनिज विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के दंतेवाड़ा, सुकमा और बस्तर जिले अंतर्गत तीन ब्लॉक्स को चिन्हित किया गया है। इसमें ग्राम नेरली, जिला दंतेवाड़ा; ग्राम कुमा कोलेंग, जिला सुकमा; और ग्राम कुमा कोलेंग, जिला सुकमा एवं बस्तर शामिल हैं।

शिक्षा ही है विकास का मूलमंत्र : मुख्यमंत्री साय

छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष पदभार ग्रहण समारोह में शामिल हुए सीएम साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शिक्षा ही विकास का मूलमंत्र है। शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है। एक पढ़े-लिखे व्यक्ति और अनपढ़ व्यक्ति के जीवन में जमीन आसमान का अंतर होता है। स्कूली बच्चों को पुस्तकें उपलब्ध कराने में पाठ्य पुस्तक निगम की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। यह बातें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर के शहीद स्मारक भवन में आयोजित छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के नवनियुक्त अध्यक्ष राजा पांडेय के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में कहीं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण करने पर श्री राजा पांडेय को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पाठ्य पुस्तक निगम का दायित्व है की किताबें समय पर छपें और बच्चों को स्कूल में पुस्तकें समय पर उपलब्ध हों। मुझे पूरी उम्मीद है कि राजा पांडेय पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष के रूप में अपने कर्तव्यों का पूरी ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। विकसित छत्तीसगढ़ बनाने में शिक्षा की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। इस लिहाज से पाठ्यपुस्तक निगम के पास एक बड़ी जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नई शिक्षा नीति की शुरुआत की गई है, जिसे हमने छत्तीसगढ़ में लागू किया है। नई शिक्षा नीति में शिक्षा के साथ-साथ रोजगार पर भी फोकस किया गया है। प्राथमिक शिक्षा के स्तर पर हम बच्चों को 18 स्थानीय बोलियों में किताबें उपलब्ध करा रहे हैं। इससे बच्चे अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त कर पायेंगे। नई शिक्षा नीति का लाभ राज्य के बच्चों को मिल रहा है। छत्तीसगढ़ की 25 वर्ष की यात्रा में शिक्षा के क्षेत्र में देश के शीर्ष संस्थान जैसे आईआईटी, आईआईएम, नेशनल लॉ स्कूल और ट्रिपल आईटी छत्तीसगढ़ में स्थापित हुए हैं। आज चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में 14 मेडिकल कॉलेज हैं। एम्स जैसे राष्ट्रीय चिकित्सा संस्थान का लाभ लोगों को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ हर क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहा है। आज नवा रायपुर में हमने प्रदेश के पहले सेमीकंडक्टर यूनिट का भूमिपूजन किया है। ये सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में देश का दूसरा यूनिट है। 1143 करोड़ की लागत से इस संयंत्र की स्थापना हुई है। कम्पनी ने 10 हज़ार करोड़ के अतिरिक्त निवेश का प्रस्ताव भी दिया है। इससे सेमीकंडक्टर चिप्स निर्माण में प्रदेश के युवाओं को रोजगार उपलब्ध होगा। इसी तरह नवा रायपुर को आईटी हब बनाने की दिशा में आज स्कवायर बिजनेस सर्विसेज को ऑफिस स्पेस आबंटित किया गया है। बिहान की बहनों को 40 बैटरी चालित ई-रिक्शा भी दिया गया है। साथ ही आज एल्कलाइन वाटर बॉटलिंग प्लांट का भी हमने शुभारंभ किया है। छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति की निवेशकों द्वारा बहुत पसंद किया जा रहा है। एनर्जी और टेक्सटाइल सहित कई क्षेत्रों में राज्य को निवेश प्राप्त हो रहा है। हम सभी को मिलकर छत्तीसगढ़ को आगे बढ़ाना है। केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री राजा पाण्डेय को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि शिक्षा समाजिक परिवर्तन की धुरी है। समाजिक परिवर्तन से आर्थिक परिवर्तन संभव है। आर्थिक परिवर्तन से ही सशक्त राष्ट्र की संकल्पनाओं को साकार किया जा सकता है।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार सुशासन को लेकर कार्य कर रही है। अभी गांवों से लेकर शहरों तक सुशासन तिहार मनाया जा रहा है। सुशासन के उद्देश्यों और आम जनमानस तक शासन की योजनाओं को पहुंचाने में सभी निगम-मंडल का महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने इस अवसर पर नवनियुक्त राजा पाण्डेय को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

चुनौतियों का सामना कर आरडीए को अच्छी स्थिति में पहुंचाएंगे : ओ.पी. चौधरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष पद पर आज नन्द कुमार साहू ने छठवें अशासकीय अध्यक्ष के रुप में कार्यभार संभाल लिया। इसके पूर्व उन्होंने अपने कक्ष में पूजा-अर्चना की गई। इस मौके पर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव, आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, रायपुर पश्चिम के विधायक राजेश मूणत,विधायक सुनील कुमार सोनी, रायपुर उत्तर के विधायक पुरन्दर मिश्रा, धरसींवा के विधायक अनुज शर्मा, छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष राम प्रताप सिंह छत्तीसगढ़ नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, छत्तीसगढ़ स्टेट इंडस्ट्रीयल डेवलेपमेंट कार्पोरेशन लिमिटिड के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, छत्तीसगढ़ नि:शक्तजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कावडिया, छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज छत्तीसगढ़ राज्य तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार साहू, छत्तीसगढ़ लौहशिल्पकार विकास बोर्ड के अध्यक्ष प्रफुल्ल विश्वकर्मा, छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, नगर निगम रायपुर के की पार्षद और पूर्व पार्षद सहित कई पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

प्रदेश के पहले सेमीकंडक्टर यूनिट का सीएम साय ने किया भूमिपूजन

1143 करोड़ की लागत से बनेगा संयंत्र, पोलीमैटेक कंपनी ने 10 हजार करोड़ के अतिरिक्त निवेश का दिया छत्तीसगढ़ को प्रस्ताव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शुक्रवार को नवा रायपुर में देश की प्रसिद्ध सेमीकंडक्टर निर्माता कंपनी पोलीमैटेक इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के प्लांट की आधारशिला रखी। यह कंपनी सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाली अग्रणी कंपनियों में से एक है, जो छत्तीसगढ़ में 1143 करोड़ की लागत से एक बड़ा कारखाना स्थापित करेगी। डेढ़ लाख वर्ग फीट में बनने वाला यह प्लांट वर्ष 2030 तक 10 अरब चिप्स तैयार करेगा, जिनका उपयोग टेलीकॉम, 6जी/7जी, लैपटॉप और पावर इलेक्ट्रॉनिक्स में किया जाएगा। इस प्लांट की स्थापना से स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है कि छत्तीसगढ़ में पहले सेमीकंडक्टर संयंत्र की स्थापना का भूमिपूजन हुआ है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति में सेमीकंडक्टर उद्योग को विशेष प्रोत्साहन दिए गए हैं, जिससे निश्चित रूप से कंपनी को यहां निवेश में सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि विश्व के जो भी देश विकसित हुए हैं, उन्होंने तकनीक के क्षेत्र में मेहनत की है, अनुसंधान किया है और ऐसा वातावरण बनाया है जिससे तेज़ी से तकनीकी प्रगति संभव हो पाई। अब 6जी और 7जी तकनीक भी आ रही है और मुझे खुशी है कि इनके लिए आवश्यक चिप्स हमारे देश में ही तैयार होंगे, और नवा रायपुर, अटल नगर में हमारे इंजीनियर इन्हें बनाएंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले वर्ष दिसंबर में दिल्ली में आयोजित एक इंवेस्टर्स कनेक्ट प्रोग्राम में राज्य के अधिकारियों की मुलाकात पोलीमैटेक के प्रबंधन से हुई थी और उसी समय कंपनी ने छत्तीसगढ़ में निवेश की इच्छा जताई थी। उन्होंने कहा कि बहुत कम समय में उद्योग विभाग और एनआरडीए ने कंपनी के लिए नवा रायपुर के सेक्टर-5 में डेढ़ लाख वर्ग फीट भूमि उपलब्ध कराई। एनआरडीए ने 45 दिनों में टेंडर प्रक्रिया पूरी कर भूमि आबंटित की और 25 दिनों से कम समय में लीज डीड पंजीकरण का कार्य भी संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल विकसित भारत के सपने को साकार करने हेतु विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में अत्यंत कारगर साबित होगी।

उन्होंने कहा कि नवा रायपुर निश्चित ही छत्तीसगढ़ की सिलिकॉन वैली के रूप में उभरेगा, और इसकी शुरुआत आज के भूमिपूजन से हो चुकी है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने इस संयंत्र में कार्य करने वाले युवाओं को नियुक्ति पत्र भी अपने हाथों से प्रदान किए।

सरकार से सहयोग पर कंपनी ने जताया आभार

भूमिपूजन अवसर पर पोलीमैटेक कंपनी के एमडी ईश्वर राव ने मुख्यमंत्री साय को राज्य सरकार की तत्परता और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने छत्तीसगढ़ में पॉवर मॉड्यूल फेब्रिकेशन प्लांट स्थापित करने के लिए 10,000 करोड़ रुपये के निवेश का भी प्रस्ताव दिया। इस संयंत्र के माध्यम से ट्रांजिस्टर, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के क्षेत्र में नई ऊंचाई प्राप्त होगी। इससे राज्य में 5,000 से अधिक युवाओं को रोजगार मिलेगा। इस अवसर पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी, विधायक गुरु खुशवंत साहेब, सीएसआईडीसी के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव पी दयानंद, उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार, एनआरडीए के सीईओ सौरभ कुमार, सीएसआईडीसी के एमडी विश्वेश कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और पोलीमैटेक कंपनी के कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950